(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

शनाया कपूर ने विज्ञापन से ...8

रविवार, 05 सितंबर 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 260 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/—रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड— SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड—133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

स्वदेशी, सटीक, खतरनाक हवाई योद्धा, दुश्मन की एंटी एयरक्राफ्ट गन भी जिस पर बेअसर, सेना ने दिया 100 स्वार्म ड्रोन का ऑर्डर

तकनीक के क्षेत्र में दुनिया काफी तरक्की कर रही है। इसी तरक्की के साथ हथियारों की रेस में भी अलग—अलग प्रयोग हो रहे हैं। इन्हीं प्रयोगों से निकला सबसे घातक हथियार ड्रोन है। ड्रोन की मदद से ही अमेरिका और उसके मित्र देशों ने अलकायदा और आईएसआईएस को भारी नुकसान पहुंचाया। ड्रोन की ताकत सब समझते हैं लेकिन अगला दौर स्वार्म ड्रोन का है। यानी ड्रोन हमलावरों की ऐसी फौज जिससे बच पाना नामुमकिन है। अभी तक अमेरिका, चीन, इजरायल जैसे देश इस तकनीक पर काम कर चुके हैं और कामयाब रहे हैं। क्योंकि ये नई जंग है और सबसे आधुनिक हथियाक है। इस रेस में अब भारत भी शामिल हो रहा है। भारतीय सेना ने अभी—अभी बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप न्यूजस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज को 100 स्वॉर्म ड्रोन की आपूर्ति के लिए + 15 मिलियन का अनुबंध दिया है। पिछले साल लद्दाख में भारत—चीन गतिरोध शुरू होने के बाद से सक्रिय सेना ने आपातकालीन खरीद के तहत ये ऑर्डर दिया। सेना का इरादा 100 न्यूजस्पेस ड्रोन का उपयोग करने का है। जिसमें आईसी इंजन और बैटरिंग पावर्ड प्रकार शामिल हैं। यह ड्रोन 25 किलोमीटर दूर से अपने लक्ष्य को तबाह कर सकता है। ड्रोन में लगी बैटरी उन्हें 100 किलोमीटर प्रति घंटे से भी तेज रफ्तार देने में सक्षम होती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिये यह ड्रोन बिना किसी मानव हस्तक्षेप के दुश्मन के इलाके में जाकर लक्ष्य पर निशाना साधने में सक्षम है। बेंगलुरू स्थित न्यूजस्पेस भारतीय वायु सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी द्वारा स्थापित एक स्टार्टअप है जो सशस्त्र बलों, एचएएल और अन्य एजेंसियों के साथ मानव रहित प्रणाली और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रशिक्षण कार्यक्रमों में काम कर रहा है।

स्वार्म ड्रोन टेक्नोलॉजी क्या है?: ड्रोनों का झुंड या फिर कहे कि एक साथ मिलकर कई सारे ड्रोन जब एक मिशन को अंजाम देते हैं तो इसे ड्रोन स्वॉर्मिंग या स्वार्म ड्रोन टेक्नोलॉजी कहते हैं। इनमें एक मदर ड्रोन होती है। जिसके अंदर से कई सारे छोटे—छोटे ड्रोन निकलते हैं जो अलग—अलग ठिकानों पर हमला करने में सक्षम होते हैं। अधिक संख्या ही वजह से दुश्मन की एंटी एयरक्राफ्ट गन या मिसाइलें भी इनके ऊपर बेअसर साबित होती है।

भारी तबाही मचा सकते हैं स्वार्म ड्रोनः स्वार्म ड्रोन दुश्मन के इलाके में भारी तबाही मचाने में सक्षम हैं। स्वदेशी, सटीक, खतरनाक स्वार्म हल्के वजन और अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक से लैस हैं। स्वार्म ड्रोन दुश्मन के इलाके में सक्रिय एयर डिफेंस सिस्टम और रडार को भी धोखा देने में सक्षम होते हैं। ये ड्रोन दुश्मन के सामरिक ठिकानों पर सुसाइड हमला करने की ताकत रखते हैं। इन ड्रोन को ।स्थ्।— (।पत स्नदबीमक थ्समग्पइसम ⊃मज यॅूतउ) के नाम से भी जाना जाता है।

सेना दिवस परेड में 75 सशस्त्र ड्रोनों ने उड़ान भरी थीः रतीय सेना के सेना दिवस पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित करियप्पा परेड ग्राउंड में परेड का आयोजन किया गया था। इस दौरान सेना की विभिन्न रेजीमेंट्स ने शक्ति प्रदर्शन कर देश को सुरक्षा का एहसास भी कराया। परेड 2021 में कॉम्बैट स्वार्म ड्रोन का प्रदर्शन किया था। सेना दिवस की परेड में 75 सशस्त्र ड्रोनों ने उड़ान भरी थी।

मुंबई के बोरीवली की एक इमारत में लगी भीषण आग, दमकलकर्मियों ने आग पर पाया काबू

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के बोरीवली से भीषण आग की खबर सामने आ रही है। आपको बता दें कि बोरीवली के एक इमारत की सातवीं मंजिल में भीषण आग लगी है। जिसकी सूचना मिलने के साथ ही दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दमकल विभाग के कर्मचारियों ने भीषण आग पर काबू पा लिया है। हालांकि आग किस वजह से लगी, इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। एक दमकल कर्मी घायल : समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक मुंबई के बोरीवली में एक इमारत की सातवीं मंजिल में आग लगी। मौके पर दमकल के अधिकारियों के पहुंचने के बाद आग पर काबू पाया गया। ऑपरेशन के दौरान एक दमकल कर्मी घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा उपचुनावों की घोषणा, ममता बनर्जी के चुनाव लड़ने की संभावना

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने ओडिशा में एक और पश्चिम बंगाल में तीन विधानसभा सीटों पर 30 सितंबर को उपचुनाव कराने की शनिवार को घोषणा की। इनमें पश्चिम बंगाल की भवानीपुर सीट भी शामिल है जहां से मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी के चुनाव लड़ने की संभावना है। मतगणना तीन अक्टूबर को होगी। इससे ममता बनर्जी को राज्य विधानसभा का सदस्य बनने के लिए एक और मौका मिलेगा। बनर्जी इस साल की शुरुआत में हुए राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान अपनी पारंपरिक भवानीपुर सीट को छोड़कर चुनाव लड़ने के लिए नंदीग्राम चली गई थीं, लेकिन वह शुभेंदु अधिकारी से हार गईं जिन्होंने भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। अधिकारी अब पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने पश्चिम बंगाल के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव कराने का फैसला किया है। वहीं, 30 सितंबर को पश्चिम बंगाल के समसेरगंज और जंगीरपुर और ओडिशा के पिपली में भी उपचुनाव होंगे। मतगणना तीन अक्टूबर को होगी। निर्वाचन आयोग की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव ने सूचित किया है कि प्रशासनिक जरूरतों और जनहित को देखते हुए और राज्य में एक शून्यता से बचने के लिए भवानीपुर में उपचुनाव कराया जा सकता है, जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव लड़ने का इरादा रखती हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, ''हालांकि, निर्वाचन आयोग ने अन्य 31 विधानसभा क्षेत्रों और तीन संसदीय क्षेत्रों (देश भर में) में उपचुनाव नहीं कराने का फैसला किया है, लेकिन संवैधानिक आवश्यकता और पश्चिम बंगाल राज्य से विशेष अनुरोध पर विचार करते हुए उसने भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव कराने का फैसला किया है।

उत्तर प्रदेश सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

सिद्धार्थनगर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रदेश सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है और उनकी सहायता के लिए प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। शनिवार को डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के शाहपुर मण्डी परिषद के परिसर में बाढ़ पीड़ितों को सहायता राशि प्रदान करने के बाद उन्हें संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दो हफ्ते से हो रही भारी बारिश के कारण राप्त, बूढ़ी राप्ती, घोंघी तथा कूड़ी नदी का जल स्तर बढ़ जाने से बाढ़ का पानी आस—पास के इलाकों तक चला गया है। उन्होंने कहा कि डुमरियागंज तथा नौगढ़ तहसील के लोगों की सहायता के लिए हर सम्भव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों को 10 किलो चावल, दो किलो दाल, नमक, आटा, मसाला, तेल सहित अन्य वस्तुएं दी जा रही हैं और जानवरो के लिए चारे की पूरी व्यवस्था करायी गयी है। योगी ने कहा कि बाढ़ से जिन किसानो की फसल नष्ट हो गयी है, उन किसानो की सूची बना कर उपलब्ध कराने का प्रशासन को निर्देश दिया गया है। उन्हें फसल क्षति की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश में जिन लोगों के घर गिर गये हैं, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

भारत में कोविड के 42,618 नए मामले, 330 मरीजों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड—19 के 42,618 नए मामले सामने आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,29,45,907 हो गयी जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 4,05,681 पर पहुंच गयी। उपचाराधीन मामलों में लगातार चौथे दिन वृद्धि दर्ज की गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, 330 और मरीजों के जान गंवाने से इस महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या 4,40,225 पर पहुंच गयी। मंत्रालय ने बताया कि 24 घंटे की अवधि में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 5,903 की वृद्धि हुई। उपचाराधीन मरीजों की कुल संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 1.23 प्रतिशत है जबकि कोविड—19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 97.43 प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक, दैनिक संक्रमण दर 2.50 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 2.63 प्रतिशत है। पिछले 71 दिनों से यह तीन प्रतिशत से कम रही है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

अमेठी में 70 साल में जो नहीं हुआ वह भाजपा सरकार ने थोड़े समय में करके दिखाया: स्मृति ईरानी

अमेठी (उप्र)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि जो अमेठी में 70 साल में नहीं हुआ वह हमारी सरकार ने थोड़े समय में करके दिखा दिया। उन्होंने कहा कि आज कोरोना वायरस जैसी महामारी से लड़ने में अमेठी की चिकित्सा व्यवस्था सक्षम है। स्मृति ईरानी शनिवार से अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी के दो दिवसीय दौरे पर हैं। जगदीशपुर में ट्रॉमा सेंटर का निरीक्षण करने के बाद ईरानी ने कहा कि 70 साल तक अमेठी को तमाम सुविधाओं से वंचित रखा गया, यहां तक कि अमेठी में एक ऑक्सीजन प्लांट भी नहीं था, लेकिन आज अमेठी में सात ऑक्सीजन प्लांट काम कर रहे हैं और ऑक्सीजन के क्षेत्र में अमेठी पूरी तरह से आत्मनिर्भर है ईरानी ने कहा, अमेठी मेरा घर है, परिवार है और परिवार की देखभाल कैसे की जाती है, यह मुझे पता है। मैं जो कहती हूं, वह करती हूं। आप सब ने देखा है कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान जांच के लिए नमूने लखनऊ भेजने पड़ते थे लेकिन उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने ऐसी व्यवस्था की कि अब कोरोना की जाँच अमेठी में हो रही है। उन्होंने कहा, मैं अमेठी में रहूं या बाहर, मैं हर पल अमेठी की खबर रखती हूं, प्रशासन के संपर्क में रहती हूं और मेरा अधिकारियों से यह साफ कहना है कि मेरी अमेठी के लोगों को कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। जगदीशपुर में ऑक्सीजन प्लांट के उद्घाटन, ट्रॉमा सेंटर के निरीक्षण के दौरान जिला अधिकारी अरुण कुमार. पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष दुबे मौजूद रहे। ईरानी ने अधिकारियों से ट्रॉमा सेंटर की चिकित्सा व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश भी दिए।

दिल्ली विधानसभा के नीचे मिली सुरंग

ब्रिटिश काल में फांसी घर के लिए किया जाता था इस्तेमाल

दिल्ली विधानसभा में एक सुरंग की खोज की गई है। विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने सुरंग की जानकारी देते हुए बताया कि, यह सुरंग लाल किले से जोड़ती है और इसका इस्तेमाल स्वतंत्रता सेनानियों की आवाजाही के लिए किया जाता था। बता दें कि अंग्रेजों के शासन के समय इसका उपयोग होता था। स्पीकर राम निवास गोयल ने बताया कि जब वह 1993 में विधायक बने थे तो उस समय सुंरग को लेकर काफी अफवाह उड़ाई जाती थी और यह भी कहा जाता था कि यह रास्ता लाल किले तक जाता था। अफवाह को जानने के लिए गोयल ने खोज तक की थी लेकिन तब कुछ हाथ नहीं लगा था। स्पीकर राम के मुताबिक, अब सुरंग का मुंह मिल गया है और इसे खोदने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ा रहे है क्योंकि मेट्रो परियोजनाओं और सीवर स्थापना के कारण सुरंग का रास्ता काफी हद तक नष्ट हो गया है। बता दें कि इस वक्त जिस भवन में विधानसभा स्थित है वहां पहले कभी केंद्रीय विधान सभा का इस्तेमाल होता था। इस सुरंग का इस्तेमाल 1926 में अंग्रेजों द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों को अदालत ले जाने के लिए किया जाता था। स्पीकर राम गोयल ने बताया कि, आजादी के 75वें साल के बाद उन कमरों का निरक्षण किया गया जहां फांसी दी जाती थी। बता दें कि अब उन कमरों को स्वतंत्रता सेनानियों का मंदिर बनाने का सोचा जा रहा है ताकि उन्हें श्रद्धांजलि मिल सके। देश की आजादी से जुड़ी दिल्ली विधानसभा के इतिहास को देखते हुए अगले स्वतंत्रता दिवस तक पर्यटकों को वह फांसी का कमरा देखने का मौका मिलेगा।

अमित शाह ने मीराबाई चानू को किया सम्मानित, बोले- समय के साथ संस्थाओं को बदलना जरूरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीपीआर एंड डी के 51वें स्थापना दिवस समारोह के मौके पर पुलिस अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कोई भी संस्था हो, वह अपने क्षेत्र के अंदर 51 साल तक अपनी प्रासंगिकता को बना सकता है और बनाए रखता है तो उसका मतलब है उसके काम में प्रासंगिकता और दम दोनों हैं। उन्होंने कहा कि समय निरंतर बदलता रहता है और समय के अनुरूप संस्थाओं को भी बदलना पड़ता है। जो संस्थान इस दृष्टि से अपने आपको बदलता है, सात्तव पूर्ण प्रदर्शन करता है और परिश्रम करता है। वही काल की इस स्पर्धा के अंदर कालजयी बनता है।

गृह मंत्री ने कहा कि बीपीआर एंड डी का काम बहुत महत्वपूर्ण है। इसीलिए जब मैं पहली बार यहां आया था तो विजिटर बुक में लिखा था कि बीपीआर एंड डी के बिना अच्छे पुलिसिंग की कल्पना ही नहीं हो सकती है। बीपीआर एंड डी एक और दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। क्योंकि हमारे संघीय ढ़ाचे में संघीय शासनव्यवस्था को स्वीकार्य किया है। जिसमें केंद्र सरकार होती है, कई राज्य सरकारें होती हैं और केंद्रशासित प्रदेश होते हैं। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था राज्य का विषय है। आपको बता दें कि गृह मंत्री ने इस कार्यक्रम में टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक विजेता मीराबाई चानू को सम्मानित किया। वहीं, मणिपुर सरकार ने मीराबाई चानू को पुलिस विभाग में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खेल) के रूप में नियुक्त किया है।

किसान नौजवान पटेल यात्रा को लेकर गोण्डा पहुचे सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल का सरदार पटेल संस्थान पर हुआ जोरदार स्वागत

गोण्डा।पिछले 29 अगस्त को सीतापुर से प्रारंभ किसान नौजवान पटेल यात्रा शुरू होकर 49 जिलों से होते हुए 31 अक्टूबर को प्रयागराज में सरदार बल्लभ पटेल के जयंती पर समाप्त होगी।

यात्रा के गोण्डा पहुचने पर सैकड़ो स्थानों पर रास्ते मे जगह जगह स्वागत किया गया।गोण्डा के मेरी गोल्ड लान में गोण्डा सदर से प्रत्यासी के संयोजन में पूर्व मंत्री विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह को श्रद्धांजलि दी गयी जहां एक जनसभा का आयोजन किया गया।जहां सूरज सिंह ने सरदार पटेल संस्थान में सरदार पटेल की भव्य मूर्ति लगाने की घोषणा की।सभा को पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह सहित अन्य नेताओं ने सम्बोधित किया।

इसके पश्चात सरदार पटेल संस्थान में प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत पटेल समुदाय द्वारा किया गया।संस्थान की मुख्य ट्रस्टी कमलेश निरंजन ने बुके देकर स्वागत किया।वही संस्थान के पदाधिकारियों ने माल्यर्पण किया।मुख्य ट्रस्टी ने सरदार पटेल का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया इसके पश्चात प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य ट्रस्टी को सपा की टोपी पहना कर प्रारम्भिक सदस्यता ग्रहण कराया। जबकि अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा व सरदार पटेल संस्थान द्वारा संस्थान के साथ 4 लाख पटेलों की सदस्यता लेने की जानकारी देने के साथ मेहनौन प्रत्यासी बनाने से सम्बंधित ज्ञापन दिया। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम कांग्रेस और भाजपा के नीतियों और किसान,मजदूर,छात्रों,अधयापकों,पिछड़ों की उपेक्षा करने की बात कही,पटेल ने कहा अब सभी एक जुट होकर अबकी बार सपा की सरकार बनाने की अपील की।सभा को राष्ट्रीय अधयक्ष अखिलेश कटियार,पूर्व मंत्री व मुख्य सचेतक नरेंद्र कुमार वर्मा,प्रोफेसर सचान,जिलाध्यक्ष पप्पू यादव,पूर्व विधायक रमेश गौतम सहित अन्य लोगो ने सम्बोधित किया।संचालन शिव प्रसाद वर्मा ने किया।

सहायक शिक्षा निदेशक ने स्कूल का किया निरीक्षण

करनैलगंज(गोंडा)। प्राथमिक विद्यालय धौरहरा में . सहायक शिक्षा निदेशक ने पहुंचकर स्कूल का निरीक्षण किया। तथा बच्चों के साथ कक्षा में शिक्षण कार्य में शिक्षक बनकर बच्चों को पाठ पढ़ाया। इसके साथ ही आधा दर्जन अन्य स्कूलों का निरीक्षण भी किया। लखनऊ से आए सहायक शिक्षा निदेशक (सेवाएं) महेश प्रताप सिंह ने स्कूलों का दौरा किया। शिक्षा अधिकारी सबसे पहले प्राथमिक विद्यालय धौरहरा पहुंचे। धौरहरा स्कूल में उन्होंने अध्यापकों और छात्रों से बातचीत की। छात्रों ने सहायक शिक्षा निदेशक का स्वागत किया। सहायक शिक्षा निदेशक को विद्यालय के प्रधानाध्यापक रवि प्रताप सिंह ने अपनी लिखी हुई पुस्तकों को भेंट किया। उन्होंने स्कूल के प्रयास को सराहा और कहा बहुत अच्छा स्कूल बनाया है। उन्होंने कक्षा संचालन के दौरान कक्षा में जाकर बच्चों के बीच समय बिताया और पढ़ाया। इस दौरान भालेन्दु कुमार सिंह, राम कुमार सिंह, उत्तम प्रसाद, सीमा सिंह, राजकुमार, पप्पू कुमार तथा अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। इसके बाद टीम जूनियर हाई स्कूल बसेहिया पहुंची। इस दौरान खण्ड शिक्षा अधिकारी आरपी सिंह रहे। अगले स्कूल के रूप में टीम ने प्राथमिक विद्यालय भकला देखा। यहां पर सभी अध्यापक उपस्थित मिले।टीम ने ग्रामीणों से भी बातचीत की। अधिकारियों की टीम उसके बाद हलधरमऊ ब्लाक पहुंची।कंपोजिट विद्यालय रेरुवा में स्कूल का हाल देखने के बाद टीम ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय हलधरमऊ देखा और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

भाजपा सरकार के क्रियाकलापों से समाज का हर वर्ग आहतः नरेश उत्तम पटेल

खेत खलिहान कुटीर उद्योग बचाओ रोजगार दो नौजवान किसान पटेल यात्रा का हुआ स्वागत

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने आज प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए उसे हर मोर्चे पर विफल करार दिया। श्री पटेल ने कार्यकर्ताओं से आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने और समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आह्वान भी किया।जिले की अयोध्या गोसाईगंज और बीकापुर विधानसभा क्षेत्र से खेत खलिहान कुटीर उद्योग बचाओ रोजगार दो नौजवान किसान पटेल यात्रा लेकर निकलते हुए प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल का आज कार्यकर्ताओं ने जगह–जगह जोरदार स्वागत किया । इस मौके पर श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार के क्रियाकलापों से समाज का हर वर्ग बुरी तरह से आहत है ,आज खेती किसानी, नौजवानों, महिलाओं की समस्याओं का प्रदेश सरकार ना तो कोई निराकरण कर रही है और ना ही प्रदेश को आगे ले जाने के लिए इस सरकार के पास कोई विजन ही है।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार जब प्रदेश में थी तो समाज का हर वर्ग सरकार की नीतियों और रीतियों से खुश था और उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनते देख रहा था लेकिन आज हालात यह है कि भाजपा सरकार समाज के हर वर्ग को परेशान करने के लिए ऐसी ऐसी नीतियां लेकर आ रही हैं जिससे लोग दहशत में हैं।उन्होंने कहा कि किसानों के लिए सरकार की नीति का सीधा मतलब सिर्फ इतना है कि उनकी जमीनों को कैसे हथियाया जाए इसके लिए सरकार ने तमाम नियम बनाकर किसानों को मुसीबत में ला दिया है।श्री पटेल ने कहा कि इस बार समाजवादी पार्टी के पूर्ण बहुमत की सरकार बनना तय है आने वाले समय में सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव जब प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे तो उत्तर प्रदेश का कायाकल्प हो जाएगा। पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय पवन ने इस मौके पर कहा कि प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है ऐसे में पार्टी का यह दायित्व है कि वह जनता की भावनाओं पर खरी उतरे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियों में जुट जाएं । सपा जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव ने इस मौके पर कहा कि युवा वर्ग आज समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव को अपना आदर्श मान रहा है और वह चाहता है कि प्रदेश में एक बार फिर समाजवादी पार्टी की सरकार बने और सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव एक बार फिर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव ने कहा कि समाज का हर वर्ग सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनते देखना चाहता है और इस बार के चुनाव में एकजुट होकर समाजवादी पार्टी को जिताने के लिए सभी तैयार बैठे हैं। पूर्व विधायक अभय सिंह ने इस मौके पर कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा किए गए कार्यों का आकलन करके ही जनता ने इस बार विधानसभा चुनाव में उसे पूर्ण बहुमत देने का मन बनाया है, समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश में एक बार फिर तब्दील होगा।वरिष्ठ नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह अनूप ने इस मौके पर कहा कि समाजवादी पार्टी कि सरकार ने जो कार्य कर दिए हैं वह आज की सरकार के लिए करना बड़ा मुश्किल हो रहा है,समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश को जिन ऊंचाइयों पर पहुंचाया है वैसा कोई और दल नहीं कर सकता। पार्टी प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि आज प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के जिला आगमन पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश था ,श्री यादव ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जिले की अयोधया बीकापुर और गोसाईगंज विधानसभाओं विधानसभाओं में की गई सभाओं का अनुकूल प्रभाव पड़ेगा और इन तमाम विधानसभा क्षेत्रों समेत जिले की अन्य विधानसभाओं में भी समाजवादी पार्टी का परचम लहराएगा। इस अवसर पर स्वागत करने वाले मुख्य रूप से एमएलसी हीरालाल यादव पूर्व एमएलसी लीलावती कुशवाहा पूर्व एमएलसी विशाल वर्मा पूर्व एमएलसी तिलकराम वर्मा पूर्व मंत्री नरेंद्र वर्मा (बस्ती) पूर्व जिला अध्यक्ष राजाराम यादव पूर्व बिधायक अरूण बर्मा वरिष्ठ नेता छेदी सिंह महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव महासचिव बख्तियार खान उपाध्यक्ष मनोज जायसवाल बाबूराम गौड अमृत राजपाल चौधरी बलराम यादव विधानसभा अध्यक्ष शिव बरन यादव पप्पू संचालन गोपीनाथ बर्मा व गयादीन यादव महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम मोहम्मद हलीम पप्पू छोटे लाल यादव लड्डू लाल यादव राम अचल यादव मंजीत यादव आभास कृष्ण यादव पंकज पांडेय राजू यादव रवि यादव बृजेश सिंह चौहान बाल योगी रामदास महंत आनंद दास अवधेश यादव सरोज यादव अपर्णा जायसवाल नंदू गुप्ता चंदन यादव जय सिंह यादव आदि मौजूद रहे ।

अवैध कब्जा करने के विरोध पर भूमाफियाओं व दबंगों द्वारा पीड़ित विधवा महिला को जान-माल की धमकी

करनैलगंज(गोंडा)। दबंगों द्वारा जाली दस्तावेज तैयार करके बैनामा करने एवं जमीन पर जबरन अवैध कब्जा करने के विरोध पर भूमाफियाओं व दबंगों द्वारा पीड़ित विधवा महिला को जान–माल की धमकी मिल रही है। इस संबंध में पिपरी रावत गांव की एक पीड़ित विधवा महिला ने थाने से न्याय न मिलने पर मजबूर होकर पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। महिला का आरोप है कटरा बाजार थाने की पुलिस आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज न करके उल्टा दबंगों को संरक्षण दे रही है। दबंग आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और पीड़िता को जानमाल की धमकी दे रहे हैं। मामला थाना कटरा बाजार के ग्राम पिपरी रावत का है। यहाँ की निवासिनी पीड़ित विधवा महिला माधुरी पत्नी स्वर्गीय सुखदेव प्रसाद ने पुलिस कप्तान को दिये गये प्रार्थनापत्र में कहा है कि प्रार्थिनी के देवर स्वर्गीय बाबादीन पुत्र बच्चू लाल प्रार्थिनी के साथ रहते थे उनके कोई आल औलाद पत्नी नहीं थी। उनकी सेवा और देखभाल करती थी जो एकमात्र वारिस थी। उसके देवर स्वर्गीय बाबादीन की मृत्यु 20 फरवरी 1990 को हो चुकी है। उनके मृत्यु के बाद कुछ लोगों द्वारा जालसाजी करके 27 फरवरी 1990 को गाटा संख्या 526ध्603 हेक्टेयर स्थित ग्राम बैरागी पुरवा मौजा पिपरी राऊत तहसील करनैलगंज का कूटरचित बैनामा करा लिया गया।

भाजपा के नव नियुक्त नगर प्रभारी का किया गया स्वागत

करनैलगंज(गोंडा)। भाजपा के नव नियुक्त नगर प्रभारी करनैलगंज अरुण दत्त मणि त्रिपाठी का स्वागत संतोषी माता मंदिर पर किया गया। नगर मण्डल अध्यक्ष आशीष सोनी , मण्डल उपाध्यक्ष मुकेश कुमार वैश्य, आशीष गिरी, चन्द्र प्रकाश शर्मा, कन्हैया लाल वर्मा महामंत्री, सेक्टर संयोजक नरेंद्र सोनी, अखिलेश श्रीवास्तव, चंदन गौड़, अनूप गोस्वामी, नामित सभासद लक्ष्मी चन्द्र खेतान, जिला कार्यसमिति श्री राम सोनी आदि कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

चकबन्दी का विरोध करते हुए सर्व सम्मति से पहाड़ापुर में चकबन्दी न लागू करने की अपील

करनैलगंज(गोंडा)। तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत पहाड़ापुर में चकबन्दी की एक खुली बैठक जनता के बीच सहायक चकबन्दी अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें उपस्थित लोगों ने चकबन्दी का विरोध करते हुए सर्व सम्मति से पहाड़ापुर में चकबन्दी न लागू करने की अपील की। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने भी जनता का फैसला स्वीकार करते हुए चकबन्दी निरस्त करने का फैसला लिया। इस मौके पर चकबन्दी कानूनगो, लेखपाल, पेशकार, प्रधान प्रतिनिधि अनिल श्रीवास्तव, हिन्दू युवा वाहिनी के अजय कुमार श्रीवास्तव, आचार्य मनोज कुमार शुक्ला, अवधेश गोस्वामी, हेमन्त शुक्ला, राजेन्द्र शुक्ला, गुलजारी गोस्वामी सहित तमाम ग्रामीण उपस्थित रहे।

युवक ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या

करनैलगंज(गोंडा)। भभुआ चौकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत दूदी के मजरा विजयराज पुरवा निवासी एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव जामुन के पेड़ से लटका हुआ मिला। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तीरथराज 30 पुत्र हीरालाल निवासी ग्राम पंचायत दूदी मजरा विजयराज पुरवा भोर सुबह शौच के बहाने घर से निकला। गांव के पास बाबा बगिया में लगे जामुन के पेड़ से रस्सी के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। काफी देर तक घर वापस न पहुंचने पर परिजनों को चिंता हुई तो उन्होंने तलाश की। तभी गांव के किसी व्यक्ति ने देखा बाग में जामुन के पेड़ पर उसका शव लटक रहा था। जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों द्वारा इसकी जानकारी पुलिस को दी गई।

तमसा नदी में मिला किशोरी का शव, हत्या की आशंका

बीकापुर–अयोध्या। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के मूसेपुर नंदीग्राम गांव निवासी किशोरी नायंसी (16) पुत्री मंशाराम का शव छठे दिन बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के बजाज का पुरवा दशरथपुर गांव में तमसा नदी में मिला। बीकापुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को लेकर बीकापुर थाने ले आई। जहां से शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया। 28 सितंबर जन्माष्टमी के दिन सुबह अपने खाते से रुपए निकालने के लिए भरतकुंड आई थी और घर वापस नहीं लौटी ।इस मामले में गुमशुदगी की लिखित तहरीर पूराकलंदर पुलिस को दी है। शनिवार की देर शाम बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के दशरथपुर बजाज पुरवा के गांव के पास तमसा नदी में शाम एक शव नदी में दिखी। सूचना पाते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए और उन्होंने शव की शिनाख्त की। उधर परिजनों ने किशोरी की हत्या की आशंका जताई है। मृतक के परिजन रोते–रोते बुरा हाल है। पुलिस मामले की छानबीन में लगी हुई है।

एक अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा जेल

उन्नाव, । जीआरपी इंस्पेक्टर अविनाश कुमार के नेतृत्व में संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर स्टेशन से कुछ दूरी पर रेलवे कॉलोनी मंदिर के पास अभियुक्त राजकुमार रावत पुत्र जगुनाथ रावत निवासी हसनपुर ज्योली थाना माधवगंज हरदोई को चोरी के 2 मोबाइल फोन व 7 हजार नगदी रुपए के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया। चेकिंग में थानाध्यक्ष के साथ उपनिरीक्षक अजय पाल सिंह, विवेक कुमार यादव मौजूद रहे।

भाजपा युवा मोर्चा ने लगाया रक्तदान शिविर

फिरोजाबाद। भाजपा युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष अंकित तिवारी के नेतृत्व में एक रक्तदान शिविर का आयोजन गांधी पार्क स्थित गौशाला में किया गया। रक्तदान शिविर में 58 यूनिट रक्तदान हुआ। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ भाजपा जिलाध्यक्ष महानगर राकेश शंखवार व सदर विधायक मनीष असीजा ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंण्डित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। जिलाध्यक्ष राकेश शंखवार ने कहा कि डेंगू ने एक भयंकर महामारी का रूप ले लिया है। बहुत से परिवारों ने इस महामारी की चपेट में आने से अपने नौनिहालों को खो दिया है। इस महामारी में प्लेटलेट्स की कमी आती है जिसको लेकर यह रक्तदान शिविर लगाया गया है। जो कि सराहनीय है। युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष अंकित तिवारी न कहा कि रक्तदान महादान है। निश्चित तौर पर युवाओं को आगे बढ़कर रक्तदान करना इस महामारी से छुटकारा पाने के लिये संजीवनी का काम करेगा। इस मौके पर राधेश्याम यादव, सुरेन्द्र राठौर, उदय ठाकुर, हिमाशू, सुमित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। इधर फिरोजाबाद डॉ चंद्रसेन जादौन की अध्यक्षता में रक्त दान शिविर का आयोजन सिरसागंज स्थित एक हास्पीटल में किया गया। जिसमें महिलाओं व पुरूषों के अलावा सरकारी विभाग के कर्मचारी भी रक्त दान करने में पीछे नही रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 11 सितम्बर को

फिरोजाबाद। जनपद न्यायालय के प्रांगण में 11 सितंबर को प्रातः 10 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। प्रभारी सचिव सिविल जज सी. डि. मीनाक्षी सिन्हा ने राष्ट्रीय लोक अदालत की व्यापक सफलता के लिए सभी सम्बन्धितों के साथ बैठक कर बताया है कि आयोजित होने वाली लोक अदालत में राजस्व दीवानी फौजदारी के सभी न्यायालय उपस्थित होंगे। इनके द्वारा मुख्यतः मोटर दुर्घटना, प्रतिकर वाद, धारा 138 एन आई एक्ट, उत्तराधिकार, वैवाहिक, वाद, श्रम, राजस्व, चकबंदी नकल अध्यादेश, बैंक व मोबाइल कंपनी के बकाया, विद्युत, बांट माप, घरेलू हिंसा, भरण पोषण व अन्य लघु फौजदारी वादों का निस्तारण आपसी सुलह समझौते के द्वारा कराया जाएगा। बैठक के दौरान उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक वादों के निस्तारण एवं प्रचार–प्रसार हेतु एक और आवश्यक बैठक 4 सितंबर 2021 को नोडल अधिकारी लोक अदालत की अध्यक्षता में सायं 04 बजे आहूत की गयी है, जिसमें सभी सम्बन्धित समय से उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

पैसों के विवाद में युवक को जिंदा जलाया

फिरोजाबाद। थाना रामगढ़ क्षेत्र अन्तर्गत एक युवक को पैसों के थाना रामगढ़ क्षेत्र अन्तर्गत एक युवक को पैसों के लेनदेन के विवाद में एक युवक को जिंदा जला दिया। पुलिस घटना की जांच कर रही है। थाना रामगढ क्षेत्र के गांव छपरिया निवासी इकरार (35) पुत्र मौहम्मद इकवाल का किसी से पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि उन लोगों ने इकरार को जिंदा जला दिया। जिससे उसकी मौत हो गयी। घटना से हडकम्प मच गया। हमलवार फरार हो गये। सूचना पर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

14 सितंबर को अयोध्या में 'आप' निकालेगी तिरंगा यात्रा

तिरंगा यात्रा के माध्यम से राष्ट्रवाद का संदेश जनता तक पहुँचाएगी "आप": सभाजीत सिंह

अयोध्या। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी 14 सितंबर को अयोध्या में तिरंगा संकल्प यात्रा निकालेगी जिसका नेतृत्व राज्यसभा सांसद संजय सिंह करेंगे।

तिरंगा संकल्प यात्रा के मुख्य अतिथि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया होंगे । श्री सिंह सिविल लाइन स्थित एक होटल सभागार में पत्रकारों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी । उन्होंने कहा कि तिरंगा संकल्प यात्रा के माध्यम से जनता को राष्ट्रवाद का असली सन्देश पहुंचाने का काम करेगी।सभाजीत सिंह ने प्रेसवार्ता कर बताया कि 14 सितंबर को 1 बजे गुलाब बाड़ी से गांधी पार्क पार्क तिरंगा संकल्प यात्रा निकाली जाएगी। प्रदेश दूसरे कई शहरों में भी तिरंगा संकल्प यात्रा निकाली जाएगी प्रदेश में होने वाली सभी तिरंगा यात्राओं में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, प्रदेश प्रभारी,राज्यसभा सांसद संजय सिंह शामिल होगे।

उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से जनता तक असली राष्ट्रवाद का संदेश पहुंचाने का कार्य करेंगे । मौजूदा भाजपा सरकार ने जाति–धर्म की राजनीति कर नफरत फैलाने और लोगों को आपस में लड़ाने का काम किया है । आम आदमी पार्टी का राष्ट्रवाद है हिंदू,मुस्लिम, सिख, ईसाई आपस में है सब भाई भाई यह हमारा राष्ट्रवाद है, छोटे–छोटे बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा हो, मुफ्त में शिक्षा हो, विश्व स्तरीय शिक्षा हो, यह हमारे लिए राष्ट्रवाद है, गांव का गरीब किसान हो, रिक्शा चलाने वाला हो, मजदूर हो, ऑटो चलाने वाला हो, आम आदमी हो सबके लिए मुफ्त इलाज की व्यवस्था हो यह हमारे लिए राष्ट्रवाद है, 24 घंटे 300 यूनिट मुफ्त बिजली, किसान को उसकी फसल का दाम मिले, नौजवानों को नौकरी दिलाना और उनको मुख्यधारा में लेकर आना, माताओं बहनों की सुरक्षा, फ्री बस यात्रा, बुजुर्गों की पेंशन देना आम आदमी पार्टी का राष्ट्रवाद है । वर्तमान समय में राष्ट्रवाद की परिभाषा देश को तोड़ने वाले लोग दे रहे हैं उनके खिलाफ राष्ट्रवाद की समरसता की भाईचारे की हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई की एकता की अवधारणा को पहुंचाने का काम आम आदमी पार्टी करेगी।

पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष ने अधिकारियों के साथ की बैठक

पिछड़े वर्गो के विवादों के त्वरित निराकरण हेतु आयोग तत्परः हीरा ठाकुर

अयोध्या। पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष हीरा ठाकुर ने अयोधया में हनुमानगढी व श्री रामलला के दशर्नोपरान्त सर्किट हाउस में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2020–21 में छात्रवृत्तिध्एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत कक्षा 9, 10, 11, 12 एवं अन्य कक्षाओं हेतु कुल 41721 छात्रध्छात्राओं को लगभग 3488 लाख की धनराशि उनके द्वारा दिए गए बैंक खातो में सीधे हस्तांतरित की गयी। वर्तमान वित्तीय वर्ष हेतु यह योजना प्रक्रियाधीन है। शासन द्वारा निर्गत समय सारणी के अनुसार 21 अक्टुबर तक सम्बन्धित छात्रध छात्राओं द्वारा छात्रवृत्तिध्शुल्क प्रतिपूर्ति हेतु आनलाइन आवेदन किया जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2020–21 में अन्य पिछड़े वर्गो हेतु शादी अनुदान योजनान्तर्गत कुल 452 पात्र लाभार्थियों 90 लाख 20 हजार रूपये से लाभान्वित किया गया। वर्तमान वित्तीय वर्ष हेतु शासन से लगभग 450 लाभार्थियों हेतु धनराशि प्राप्त हो गयी है। प्राप्त आवेदन पत्रों के सत्यापन की कार्यवाही चल रही है। सत्यापनोपरान्त पात्र आवेदन पत्रों के सापेक्ष भुगतान की कार्यवाही जल्द ही पूर्ण कर ली जाएगी। "ओ" लेवलध्सी0सी0सी0 कम्प्युटर प्रशिक्षण योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020–21 में 118 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया एवं वर्तमान सत्र में 134 प्रशिक्षणार्थियों हेतु प्रशिक्षण 01 सितम्बर 2021 से प्रारंभ किया जा चुका है।

समीक्षा बैठक में उपाध्यक्ष द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान कर ऐतिहासिक कार्य किया है। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के माध्यम से पिछड़े वर्गो के विवादों के त्वरित निराकरण एवं उनको सस्ता एवं सुलभ न्याय दिलाने हेतु आयोग प्रतिवद्व एवं तत्पर है। पिछडेध वर्ग से संबंधित कोई भी प्रभावित व्यक्ति आनलाइन, स्वंय या रजिस्ट्रीपत्र के माध्यम से अपनी समस्याएंध्विवाद आयोग के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। जिसका संज्ञान आयोग द्वारा तुरन्त लिया जाता है। 15 दिन के अन्दर विभाग के संबंधित अधिकारी से प्रकरण की समीक्षा करते हुए त्वरित निराकरणधनिवारण का प्रयास किया जाता है।

अन्यथा की स्थिति में दोनो पक्षो के बुलाकर उनके पक्ष सुनने के पश्चात आयोग द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जाती है। समीक्षा बैठक के पश्चात उपाध्यक्ष द्वारा अवगत कराया गया कि पिछड़े वर्गो के कल्याण एवं उत्थान हेतु सरकार की मंशा के मुताविक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी द्वारा योजनाओं का क्रियावन्वन ससमय एवं गुणवत्तापूर्वक किया जा रहा है ताकि जनपद में पिछड़े वर्गो से संबंधित प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकार कि इन योजनाओ का लाभ पहुँच सके। उक्त बैठक में पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, सहायक आदि उपस्थित थे।

स्कूलों में बच्चों को मिलेगी स्कॉउट गाइड की शिक्षा

उन्नाव। स्कॉउट गाइड सभागार में बेसिक शिक्षा के अधयापकों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमें मुख्य अतिथि बीएसए जय सिंह ने ट्रेनिंग प्राप्त कर चुके अध्यापकों को अपने स्कूलों के बच्चों को स्कॉउट गाइड का ज्ञान देने के निर्देश दिए गए। बीएसए ने बच्चों को स्कार्प पहनाकर सम्मानित किया। साथ सोनू सिंह को आदेश दिया है कि वे जनपद के सभी विद्यालयों के अध्यापकों को स्काउट गाइड की ट्रेनिंग कराए। करोना काल के दौरान स्काउट गाइड के दो अध्यापकों में शैलेंद्र, ज्योतिमा की आकस्मिक मृत्यु हो जाने के कारण 2 मिनट का मौन रखकर आत्मा की शांति के लिए कामना की गई। इस दौरान मंजू कनौजिया, भूपेंद्र सिंह, सपना शुक्ला, अनिल शुक्ला, शिव शंकर मिश्र, शबाना, अंकित रावत, अतुल, गोविंद, विनय त्रिपाठी, अनूप कुशवाहा, प्रज्ञा शुक्ला आदि रहे।

मिल्कीपुर तहसील के समाधान दिवस में डीएम आज सुनेगे फरियाद

अयोध्या। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में 4 सितम्बर 2021 को मिल्कीपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया है। इसके अलावा जिले की अन्य सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया है तथा जिलाधिकारी ने कहा है कि विगत समाधान दिवसों के मामले को पूर्ण रूप से निस्तारित कर बैठक में भाग लें तथा अन्य अधीनस्थों से भी कहें उसका निस्तारण समयबद्व करें। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जनपद में साफ सफाई व्यवस्था, कोविड टीकाकरण की व्यवस्था में और तेजी लायी जाय।

एसडीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। तहसील सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 31 मामले आये, जिनमे 2 मामलो का त्वरित निस्तारण कर दिया गया। 31 मामलों में पुलिस विभाग के 3, शिक्षा विभाग के 1, राजस्व विभाग के 11, पूर्ति विभाग के 2, विकास विभाग के 11, इण्डोनेपाल बॉर्डर के 1, नगर पालिका के 1, उपनिबंधाक के 1 मामले शामिल रहे। शेष 29 मामलों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया। उपजिलाधिकारी शिवमूर्ति सिंह की अध्यक्षता में तहसील क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों से आये प्रार्थना पत्रों में बगुलाहवा निवासी निसार अहमद चौधरी ने ग्राम पंचायत भर्ती चयन में अनियमितता के सम्बन्ध में

- 31 में 2 मामलों का हुआ निस्तारण, 29 पर कार्यवाही हेतु निर्देश
- खाली कुर्सियां बताती है, कितने गैरजिम्मेदार है जिम्मेदार
- चलती रही सुनवाई, सोते रहे अधिकारी

प्रार्थना पत्र दिया है, उसमे उन्होंने लिखा कि गाँव मे ग्राम पंचायत भर्ती प्रक्रिया गतिमान है। जिस आवेदक आशीष कुमार गुप्ता का चयन किया गया, वह नेपाल का निवासी है। तथ्यों को छुपाकर आवेदक आशीष कुमार गुप्ता की नियुक्ति करने का आरोप लगाया गया है। इसके साथ ही चेतरा निवासी विजय कुमार यादव ने जमीन बेचने के नाम लिए रुपये नही देना का शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसे कार्यवाही के लिए शोहरतगढ़ प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया गया। साथ ही पड़रिया गाँव के रामशंकर, राजदेव यादव, अहमद हुसैन ने गाँव के कोटेदार व प्रधानाचार्य पर आरोप लगाते हुए कहा कि कोटेदार व प्रधानाचार्य द्वारा बच्चों को सरकार द्वारा दिये जा रहे खाद्यान्न का बितरण कभी नही किया जाता। शिकायत करने पर प्रधानाचार्य द्वारा बच्चों का नाम काटने व दूसरी जगह नाम लिखाने की बात कही जाती है। साथ ही कहा कि प्रधानाचार्य का व्यौहार ग्रामवासियों के प्रति ठीक नही है। साथ ही पिपरा निवासी जवाहर प्रसाद पुत्र रामसेवक ने अपनी शिकायत पत्र में लिखा कि गाँव के कोटेदार मनमानी तरीके से राशन देता है और राशन भी कम तौलता है। उन्होंने कोटेदार के जाँच की मांग की है। इसके साथ ही बरैनिया निवासी रफिबुल्लाह द्वारा कंप्यूटर खतौनी में नाम दर्ज करने, खुनुवा निवासी रामू यादव द्वारा ग्राम समाज की भूमि पर अबैध निर्माण करने, बढ़नी ब्लॉक के बसन्तपुर निवासी मोहम्मद अतहर ने अधिषासी अधिकारी प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग सिद्धार्थनगर द्वारा इण्डोनेपाल बॉर्डर क्षेत्र में कराये गए निर्माण कार्य का मुआवजा न देने, महमुदवा ग्रान्ट निवासी जमीला खातून पत्नी इसराइल ने लिखा कि वह गाटा संख्या 660 में बैनामेदार है। न्यायालय के आदेश के अनुक्रम में दाखिल खारिज हो चुका है। बावजूद उपरोक्त आदेश का अनुपालन लेखपाल द्वारा नही किया जा रहा है, के सन्दर्भ प्रार्थना पत्र दिया गया है। अकरा निवासी बीनू गुप्ता द्वारा मनरेगा मेट चयन प्रक्रिया के सन्दर्भ में, पथरदेईया निवासी दरोगा यादव ने नाली विवाद के सम्बंध में प्रार्थना पत्र दिया गया। कार्यक्रम की सुनवाई विभागीय रूप से तहसीलदार धर्मबीर भारती, खण्ड विकास अधिकारी सतीश सिंह, जिला कृषि अधिकारी चन्द्र प्रकाश, जॉइंट डायरेक्टर एल बी यादव, अधिषासी अधिकारी अनिल कुमार, नायब तहसीलदार अवधेश कुमार राय ने भी की। कार्यवाही हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया। इस दौरान, राजस्व निरीक्षक शारदा प्रसाद मिश्रा, लेखपाल अनिरुद्ध चौधरी, अधिशासी अभियंता सरयू नहर खण्ड बासी प्रशांत कुमार, अधिशासी अभियंता राप्ती नहर डीपी वर्मा, सहायक विकास अधिकारी मोहनलाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रमोद कुमार, अपर जिला सहकारी अधिकारी देवेंद्र प्रताप अग्रहरि, एडीओ कृषि अरविंद पाल, अग्रणी जिला प्रबंधक एसबीआई नौगढ़ जीवनचंद्र आर्य, पूर्ति निरीक्षण शोहरतगढ़ रामसेवक यादव, पूर्ति निरीक्षण बढ़नी विंध्यवासिनी श्रीवास्तव, वन विभाग के प्रदीप कुमार त्रिपाठी, रामप्यारे मौर्य, खण्ड शिक्षा अधिकारी शोहरतगढ़ अभिमन्यु, एआरपी मुस्तन शेरुल्लाह, सहित विभाग के कर्मचारी आदि मौजूद रहे। चलती रही सुनवाई, सोते रहे अधिकारी– सम्पूर्ण समाधान दिवस के दिन एक अधिकारी सोते रहे और लोगों की शिकायत सुन रहे अधिकारियों को सोता हुआ अधिकारी नजर ही नही आया। खाली कुर्सियां बताती है, कितने गैरजिम्मेदार है जिम्मेदार– सम्पूर्ण समाधान दिवस के दिन आगे की कुर्सियां खाली दिखी, ऐसा लगा मानो तहसील परिसर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस महज दिखावा है और संबंधित अधिकारी मौजूद न होकर सरकार की महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को हल्के में ले रहे है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ पीड़ितो को बाटी राहत सामग्री

अनंत मिश्रा/
दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने शनिवार को बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद उसका बाजार स्थित किसान इंटर कॉलेज में बाढ़ प्रभावित लोगों से भेंट कर कुशलक्षेम जाना और राहत सामग्री वितरित किया। प्रेस सवांद में कहा कि एक पखवारे से हो रही बारिश व नेपाल से सटा होने के कारण पूर्वांचल के 15 से 20 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। सिद्धार्थनगर जनपद के 200 गांव बाढ़ से घिरे हैं जबकि 400 ग्राम पंचायतों में फसलों को नुकसान पहुंचा है। सीएम ने कहा कि सरकार पूरी तरह से बाढ़ पीड़ितों की हर सम्भव मदद के लिये वचनबद्ध है, प्रत्येक नागरिक का जीवन हमारे लिये बहुमूल्य है जिसके लिये राहत व बचाव कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा हैं, जलजमाव से उत्पन्न बीमारियों के इलाज के लिए दवाओं की भरपूर व्यवस्था कर दी गई है। जिन पीड़ितो के मकान गिर गए हैं उनकों आर्थिक सहायता मुहैय्या कराने के साथ कटान से नदी में विलीन होने वाले मकान के स्वामियों को मुख्यमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास प्रदान किये जाने के निर्देश प्रशासन को दिए जा चुके हैं। अगर किसी की बाढ़ में डूबने से मृत्यु होती है तो उनके परिजनों को जान–माल की सहायता प्रदान करने की घोषणा की जा चुकी है। बाढ़ में किसी दुर्घटना से कोई अंगभंग या साँप या अन्य विषैले जीव की काटने से असमय मृत्यु हो जाती है तो उनको 4 लाख रुपये की सहायता प्रदान करने की घोषणा की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने बाढ़ क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों द्वारा की जा रही प्रयासों की सराहना की और जनता की सेवा में सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सांसद जगदम्बिका पाल, स्वास्थ्य मंत्री राजा जय प्रताप सिंह, विधायक कपिलवस्तु श्याम धनी रही, शोहरतगढ़ विधायक अमर सिंह चौधरी,भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद माधव तथा लाभार्थियों सहित भारी संख्या में पदाधिकारी,कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

हर पीड़ित की पीड़ा के साथ जुड़ा हूं: श्यामधनी राही

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका/सिद्धार्थनगर। सदर विधायक श्यामधनी राही ने शनिवार को नगर पंचायत क्षेत्र उसका बाजार के बाढ़ प्रभावित वार्डो का दौरा किया। इस दौरान बाढ़ प्रभावित लोगों के घर घर जाकर

हालचाल लिया। विधायक ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि उनकी पीड़ा के साथ वह जुड़े हैं और सभी के साथ हैं। मौके पर ही विधायक ने नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी से नगर पंचायत में फैली गंदगी को साफ कराते हुए तदवाइयों का छिड़काव कराने के लिए कहा। विधायक ने प्रधानमंत्री आवास से वंचित दो व्यक्तियों को आवास दिलाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, सच्चिदानंद चौवे मनोनीत सभासद मंतू लोहार एवं पन्ना लाल यादव ,सत्यम पांडे, विभूति प्रसाद अग्रहरी, अरुण मिश्रा, जगदीश जायसवाल सत्यप्रकाश राही, सोनू मिश्रा, समीर आदि लोग उपस्थित रहें।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका अहम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद मुख्यालय स्थित रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज तेतरी बाजार में शिक्षक दिवस के पूर्व संध्या पर डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शिक्षकों को सम्मानित किया गया। बतौर कार्यक्रम मुख्य

अतिथि संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रबंधक मुरलीधर अग्रहरि ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है वह छात्रों के निर्माण में अपना सर्वस्व न्योछावर कर देता है। शिक्षक के बिना छात्र का जीवन अधूरा है और ऐसे में जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि भगवान को भी नर से नारायण बनने में गुरु की आवश्यकता होती है, बिना गुरु के नर से नारायण बनने की कल्पना संभव ही नहीं ।शिक्षक की गोंद में निर्माण और प्रलय दोनों खेलते हैं आवश्यकता है कि शिक्षक आचार्य चाणक्य की भूमिका में चंद्रगुप्त जैसे यशस्वी बालक का निर्माण करें ताकि एक आदर्श समाज का निर्माण में अपना योगदान दे सकें। आगे त्रिपाठी ने कहा कि जिस तरह कुम्भकार मिट्टी के बर्तन को ढालता है, लोहार लोहे को तपाकर कुछ उपयोगी चीजों को बनाता है ठीक उसी प्रकार शिक्षक छात्रों के भविष्य का निर्माण कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देता है। बच्चों के जीवन में माता– पिता के समान शिक्षक का भी योगदान होता है वह एक ऐसा दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाशित करता है ऐसे में हमें शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए। इसके पूर्व बंदना सभा के कार्यक्रम में रसायन विज्ञान के प्रवक्ता सुरेश राव ने कहा शिक्षक दिवस एक ऐसा दिवस है जो हमारे जीवन में शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित करता है और उनके समर्पण की याद दिलाता है। कार्यक्रम के अंत में बालिका विद्यालय की प्रधानाचार्य अंजू चौहान ने अतिथियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी के प्रवक्ता व वरिष्ठ आचार्य गोविंद सिंह ने किया। उक्त अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य महादेव प्रसाद समेत समस्त आचार्य बंधुओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

लगातार बढ़ रहे बाढ़ के पानी ने आम जनमानस को बहुत प्रभावित किया, जिले में बाढ़ का प्रकोप

रवि जायसवाल/
दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। लगातार बढ़ रहे बाढ़ के पानी ने आम जनमानस को बहुत प्रभावित किया जिले में बाढ़ का प्रकोप कई विकास खंडों के ग्राम सभाओं में जारी है बाढ़ से जूझ रहे लोगो को काफी परेशानी का भी सामना करना पड़ रहा है ग्राम सभाओं में पानी घुसने के साथ साथ लोगो के वहारोमे पानी भर गया है और लोगो का जीवन जीना मुश्किल होता चला जा रहा लोगो की इस परेशानी को देखते हुए जिले के जनप्रनिधि ा और प्रशासनिक अधिकारी लगातार शेयरों का भ्रमण कर रहे है और लोगो की समस्या के समाधान में लगे है लोगो को किसी भी समान की परेशानी न हो इसका विशेस ख्याल रखा जा रहा है उनके कहने पाइन की वस्तुओं के साथ साथ उनके स्वास्थ्य का भी ख्याल रखा जा रहा लोगो को दवा का भी वितरण किया जा रहा है वही जोगिया विकास खंड में जोगिया पकड़ी मार्ग पर बाढ़ का पानी सड़क के ऊपर बह रहा है लोगो को उसने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है गांव की सड़क संपर्क मार्ग से कट चुकी है इसका दौर खंड विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने किया और लोगो को हर संभव सहायता देने का विश्वास दिलाया उन्होंने कहा कि किसी को किसी भी वस्तु की परेशानी हो तो उनसे कहे हैम सभी को थोड़ा सा धैर्य रखना पड़ेगा ये मुसीबत का पल है जल्द ही इस समस्या से बाहर निकल जायेगी ।

ग्राम पंचायत मधुबनी में पंचायत सहायक भर्ती की खुली बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। नौगढ़ ब्लाक अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत

मधुबनी में पंचायत सहायक अकाउंटेंट भर्ती की खुली बैठक किया गया मधुबनी ग्राम पंचायत अमजद अली की अध्यक्षता में 15 सदस्य टीम की उपस्थिति में अभ्यार्थियों को बारी बारी करके सब के मेरिट अंकपत्र देखा गया तथा शासनादेश के अनुसार इस सहायक भर्ती में जिसका मेरिट परसेंटेज अधिक होगा उसी का ही भर्ती होगा तथा इसी का जिम्मेदारी निभाते हुए ग्राम पंचायत प्रधान प्रधान अमजद अली ने सहयोग दिया तथा ग्राम पंचायत में जिसका मेरिट परसेंटेज ज्यादा होगा उसी के आधार पर प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज जाएगा तथा इस बैठक में अविनाश तिवारी 83.60 ☐ प्रथम स्थान पर रहे तथा दूसरे स्थान पर विजय कुमार 77.38☐ तथा तीसरा स्थान पर रवि प्रकाश गुप्ता रहे। इस बैठक में मौजूद रहे मधुबनी ग्राम प्रधान अमजद अली ,ग्राम विकास अधिकारी प्रतिनिधि अरुण कुमार जयसवाल, रोजगार सेवक राम अवतार यादव, तथा सदस्य रामप्रकाश, मोतिन, भगवानदास,धानरावती, साहिदुंनिशा, मैमुन्निशा, अबुकलाम आदि उपस्थित रहे।

प्रत्येक नागरिक का जीवन हमारे लिये बहुमूल्यः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दिलीप श्रीवास्तव/
दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंजधसिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उड़न खटोला डुमरियागंज के हल्लोर मैं स्थित सेंट थॉमस स्कूल मैं उतरा। मुख्यमंत्री लगातार बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा कर प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे सुविधाओं के बारे मैं जानकारी कर रहे हैं और हालात की समीक्षा कर रहे हैं। इसी कड़ी मैं वो शनिवार को डुमरियागंज के सहियापुर मंडी स्थल पर पहुंचे। जहां पहले उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात किया, उनका हाल चाल जाना और उनको मिलने वाली सुविधाओं के बारे मैं जानकारी ली। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी, डुमरियागंज के सांसद जगदम्बिका पाल और डुमरियागंज विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह की मौजूदगी मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ से प्रभावित 300 लोगों को राशन किट के साथ साड़ी, टॉर्च, दवा किट, और छाता भी वितरित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहाँ मौजूद लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार पूरी तरह से बाढ़ पीड़ितों के साथ हैं और हर सम्भव मदद के लिए वचनबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ की समस्या के कारण किसी तरह की बीमारी ना फैलने पाए इसके लिए स्वास्थ्य टीमों को लगा दिया गया है। जिन बाढ़ पीड़ितों का मकान क्षतिग्रस्त हो गया है या बाढ़ मैं विलीन हो गया है ऐसे लोगों को भूमि का पट्टा करके मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास प्रदान के लिए निर्देश दिया जा चुका है। आगे अपने सम्बोधन मैं उन्होंने कहा कि यदि दुर्भाग्यवश बाढ़ की वजह से किसी की डूबने से,जहरीले सांप के काटने से, या अंगभग हो जाने पर आर्थिक सहायता के प्रदान करने की घोषणा की जा चुकी है।मुख्यमंत्री ने इस आपदा मैं जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार जनता के बीच जाकर उनकी सहायता करने के लिए उनकी सराहना की और जनता की सेवा मैं सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर लाभार्थियों सहित भारी संख्या मैं जनता जनार्दन तथा भाजपा और हिन्दू युवा वाहिनी के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम देखने को मिला।

सीमेंट की गोदाम में घुसे सर्प को रेस्क्यू कर ले गया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। क्षेत्र के डाड़ी चौराहे से दक्षिण राधिका कंस्ट्रक्शन के गोदाम में एक विशाल काय स्पेक्टिवल कोबरा (गेंहूअन सांप) घुस गया था। आज सुबह दुकान स्वामी सुधीर सिंह एक ग्राहक को सीमेंट देने के लिए गोदाम खोले और जैसे ही एक बोरी उठाए तो उसमे छुपा सर्प दिखाई दिया सुधीर डर कर भाग गये। और बगल गांव के मोहित कस्यप सर्प मित्र। 9109225967 को बुलाए मोहित ने गोदाम में छुपे सर्प को बाहर निकाला और एक डब्बे में भर कर उठा ले गया। मोहित ने बताया कि हम अभी तक दो हजार सांपों का रेस्क्यू कर चूका हूँ। इन्हें हम कुस्मी जंगल ले जा कर छोड़ देते हैं। इन्होंने यह भी बताया कि हमने छत्तीसगढ़ से सर्प पकड़ने की ट्रेनिंग ली है। हमे जो भी बुलाता है। हम वहां पहुच कर इन्हें पकड़ कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ देते हैं।

सम्पादकीय

वह अभी जो चिकनी–चुपड़ी बातें कर खुद को बदला हुआ तालिबान बता रहा है, उसकी हकीकत देर सवेर सामने आएगी। बीते सोमवार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव परित हुआ था, जिसमें तलिबान को इच्छुक अफगानियों का बाहर जाने देने के...

लाचारी की विदाई

महाशक्ति होने का दंभ भरने वाले अमेरिका ने बीस साल बाद अफगानिस्तान से जिन हालात में वापसी की, उसे मुसीबत से पीछा छुड़ाना ही कहा जायेगा। जिस तरह पहले मुख्य सैनिक अड्डे से रातों–रात उसके सैनिक निकले, उसने पूरी अफगानी सेना का मनोबल तोड़ दिया, जो फलतरू तालिबानियों के सामने बिछ गई। जिन तालिबानियों के सत्ता में काबिज होने की अवधि को अमेरिकी विशेषज्ञ कभी छह महीने, कभी तीन महीने बताते रहे, उन्होंने चंद दिनों में काबुल सरकार का पतन कर दिया। अमेरिका ने वापसी की जो तिथि 31 अगस्त तय की थी, उससे एक दिन पहले ही अमेरिका अफगानिस्तान से रात के अंधेरे में निकल गया। आखिर अफगानिस्तान में कई ट्रिलियन डॉलर खर्च करने, ढाई हजार से अधिक सैनिक गंवाने तथा ढाई लाख अफगानियों की मौत के बाद अमेरिका ने क्या हासिल किया? वैसे तो अमेरिका की जैसी वापसी हुई, उसे आम भाषा में पिंड छुड़ाना ही कहेंगे। जब अमेरिका 2001 में अफगानिस्तान पहुंचा था तो तालिबान के ध मकों से उसका स्वागत हुआ था और विदाई के वक्त भी काबुल हवाई अड्डे पर हुए फिदायीन हमले के धमाकों से उसकी विदाई हुई। तो क्या बदला अफगानिस्तान में? अमेरिका ने साख ही खोयी है। वह आतंकवादियों के खात्मे का दावा नहीं कर सकता। सही मायनो में तालिबानी संस्कृ ति ऐसे रक्तबीज के रूप में उभरी है, जिसका खात्मा असंभव नजर आता है। यही वजह है कि महाशक्तियों की कब्रगाह बने अफगानिस्तान में ब्रिटिश साम्राज्य, रूस और अब तीसरी महाशक्ति अमेरिका के पतन के बाद एक बार फिर तालिबान सत्ता में लौटा है। बल्कि अब अमेरिका के जिन हथियारों पर तालिबान ने कब्जा कर लिया है, उसके बाद तो वह अत्याधुनिक हथियारों वाला दुनिया का सबसे बड़ा आतंकी समूह बन चुका है। जो देर–सवेर भारत जैसे देशों के लिये परेशानी पैदा करेगा। अब भले ही तालिबान दावा करे कि वह आईएस–खुरासान गुट व अल कायदा के खिलाफ लड़ेगा, लेकिन हकीकत में सब मौसेरे भाई हैं, जिन्हें पाक ने अपनी जमीं पर सींचा है। दरअसल, अमेरिका के इस सबसे लंबे युद्ध के परिणामों पर नजर डालें तो पाते हैं कि उसने अफगानिस्तान की लाखों जिंदगियों को खतरे में डाल दिया है। काबुल में सरकार के पतन के बाद कोई अन्य विकल्प न होने पर हवाई अड्डे पर लाचार अफगानियों का जो सैलाब उमड़ा, उसने आने वाले कल की भयावह तस्वीर उकेरी है। तालिबानियों के हर चौक–चौराहे पर रोके जाने, आत्मघाती बम हमले व राकेट हमले के बीच अफगानी काबुल हवाई अड्डे की ओर बदहवास दौड़ते रहे। कुछ तो हवाई जहाज के पहियों तक में लटककर भागने के प्रयास में मौत के मुंह में समा गये। कई माएं तो अमेरिकी सैनिकों को अपने दिल के टुकड़े सौंपती रही कि इन्हें बचा लो, अब हम रहें, न रहें, ये बच्चे बच जाएं। जो यह बताता है कि तालिबानी सत्ता का भय कितना क्रूर व भयावह है। अमेरिका व मित्र देश सवा लाख के करीब अफगानियों को निकालने का दावा कर रहे हैं, लेकिन उनका जीवन भी कितना बदलने वाला है? वे भी वर्षों तक अपनी जमीन से उखड़कर शरणार्थियों का जीवन जीने को अभिशप्त रहेंगे। जार्ज बुश के सनक भरे फैसले की कीमत लाखों लोगों ने अपनी जान देकर चुकाई और लाखों लोग दशकों तक चुकाते रहेंगे। खासकर वे लोग जो चाहकर भी बाहर नहीं निकल पाये। अब देखना होगा कि तालिबान अफगानिस्तान को इस्लामिक अमीरात बनाकर क्या करना चाह रहा है।

तालिबानी दहाड़ में भेड़ होने की लाचारगी

शमीम शर्मा

एक लघुकथा है श्भेड़्य। चरवाहा भेड़ों को हांककर बाड़े में ले जा रहा था। उसने देखा कि एक भेड़ काफिले के साथ नहीं चल रही है बल्कि एक जगह खड़ी आसमान को ताके जा रही है। चरवाहे ने उसकी पीठ पर लाठी जमाई। भेड़ थोड़ी बिलबिलाई पर हिली नहीं। फिर तो चरवाहे ने एक के बाद एक कई लाठियां उसकी पीठ पर जमा दीं। भेड़ की देह पर कई जगह खून छलछला आया पर वह अपनी जगह से टस से मस नहीं हुई। चरवाहे ने लाठी एक तरफ रखी और जमीन पर बैठ गया। वह गहरी चिंता में डूबा था।

उसे चिंता इस बात की नहीं थी कि उसके रेवड़ में एक भेड़ कम हो जायेगी। उसके पास हजारों भेड़ें थीं। एक के कम हो जाने से क्या फर्क पड़ता है। उसे तो चिंता इस बात की थी कि इस भेड़ की देखा–देखी बाकी भेड़ों ने भी भेड़ होने से इनकार कर दिया तो...? लघुकथा इसी सवाल पर खत्म हो जाती है। चलो भेड़ों में कोई तो है जो भेड़ तंत्र से हटकर सोच रही है पर पूरी दुनिया में एक भी देश ऐसा नहीं है जो अफगानिस्तान की हरकतों पर, खून के खेल पर, आतंकियों की पनप रही नर्सरी पर लघुकथा में वर्णित भेड़ की तरह हट कर सोचे। सब भेड़ चाल चल रहे हैं। जो खुद को खूंखार भेडिये समझा करते थे, वे भी भेड़ों के रंग में रंग गये हैं।

दुनिया के सभी देशों के शासकों, सेनाओं, बुद्धिजीवियों, लेखकों, समाजवाद और मानवतावाद के पक्षधरों को एक साथ सांप सूंघ गया है। यही हालत उस सभा की थी, जिसमें द्रौपदी का चीरहरण हुआ था। सब गूंगे हो गये थे। यही हालत उस समय की थी जब लाखों कश्मीरियों का श्रीनगर से जबरन पलायन करवाया गया था। यह चुप्पी कोरोना जैसी भयंकर महामारी है। कोरोना की तरह जानलेवा तो है ही, पर तालिबानी आतंकियों के आचरण और धर्मान्धता के सामने इज्जत, सम्पदा, निज धर्म और संस्कृति भी आंधियों में पत्तों के समान उड़ रही है।

आईएएस की परीक्षा में एक सवाल पूछा गया था कि यदि किसी बेड़े में बंद दस भेड़ों में से एक छलांग लगा कर भाग जाये तो कितनी बचेंगी? सही जवाब था कि एक भी नहीं क्योंकि भेड़ की प्रवृत्ति यही है कि वे पीछे–पीछे चलती हैं। आज सारी दुनिया एक –दूसरे के पीछे चल रही है, कोई भी शेर सी दहाड़ नहीं मार रहा है।

सड़क संस्कार सिखाने को कानून की दरकार

सड़क पर घटिया वाहनों का संचालन भी उसका बड़ा दुश्मन है। दुनिया में शायद भारत में ही देखने को मिलेगा कि सरकारी बसें हों या फिर डग्गामारी करती जीपें, निर्धारित से दुगनी सवारी भरने पर रोक के कानून महज पैसा कमाने का जरिया मात्र हाते हैं। ओवरलोड वाहन, खराब टायर, दोयम दर्जे का ईंधन, ये सभी बातें सरकार के चिकनी रोड के सपने के साकार होने में बाधाएं हैं...

पंकज चतुर्वेदी

हाल ही में उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग ने राज्य के हर जिले को इस बात की अनुमानित लागत भेजने को कहा है, जिससे राज्यभर की सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जा सके। इससे पहले आठ जुलाई को केंद्र सरकार के सड़क परिवहन मंत्रालय ने पूरे देश की राज्य सरकारों को सड़क से गड्ढों को पूरी तरह मिटाने के निर्देश दिए थे। राजधानी दिल्ली से दूरस्थ गांवों तक, आम आदमी इस बात से सदैव रुष्ट मिलता है कि उसके यहां की सड़क टूटी है, संकरी है या काम की ही नहीं है। लेकिन समाज कभी नहीं समझता कि सड़कों की दुर्गति करने में उसकी भी भूमिका कम नहीं है।

अब देशभर में 22 लाख करोड़ खर्च कर सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। चालू वित्त वर्ष में केंद्र ने विभिन्न राज्यों को केंद्रीय सड़क फंड से 7000 करोड़ रुपये दिए हैं, जिसमें सर्वाधिक उप्र को 616.29 करोड़ मिले हैं। यह दुर्भाग्य है कि हमारे देश में एक भी सड़क ऐसी नहीं है, जिस पर कानून का राज हो। गोपीनाथ मुंडे, राजेश पायलट, साहिब सिंह वर्मा जैसे नेताओं को हम सड़क की साधारण लापरवाहियों के कारण गंवा चुके हैं। सीमा से अधिक गति से वाहन चलाना, क्षमता से अधिक वजन लादना, लेन में चालन नहीं करना, सड़क के दोनों तरफ अतिक्रमण व दुकानें, ऐसे कई मसले हैं, जिन पर माकूल कानूनों के प्रति बेपरवाही है और यही सड़क की दुर्गति के कारक भी हैं।

सड़कों पर इतना खर्च हो रहा है, इसके बावजूद सड़कों को निरापद रखना मुश्किल है। दिल्ली से मेरठ के सोलह सौ करोड़ के एक्सप्रेस वे का पहली ही बरसात में जगह–जगह धंस जाना व दिल्ली महानगर के उसके हिस्से में जलभराव बानगी है कि सड़कों के निर्माण में नौसिखियों व ताकतवर नेताओं की मौजूदगी कमजोर सड़क की नीव खोद देती है। यह विडंबना है कि देशभर में सड़क बनाते समय उसके निरीक्षण का काम कभी कोई तकनीकी विषेशज्ञ नहीं करता है। यदि कुछ विरले मामलों को छोड़ दिया जाए तो सड़क बनाते समय डाले जाने वाले बोल्डर, रोड़ी, मुरम की सही मात्रा कभी नहीं डाली जाती। शहरों में तो सड़क किनारे वाली मिट्टी उठा कर ही पत्थरों को दबा दिया जाता है। कच्ची सड़क पर वेक्यूम सकर से पूरी मिट्टी साफ कर ही तारकोल डाला जाना चाहिए, क्योंकि मिट्टी पर गर्म तारकोल वैसे तो चिपक जाता है, लेकिन वजनी वाहन चलने पर वहीं से उधड़ जाता है। इस तरह के वेक्यूम–सकर से कच्ची सड़क की सफाई कहीं भी नहीं होती। हालांकि इसके बिल जरूर फाइलों में होते हैं।

सड़क का ढलाव ठीक न होना भी सड़क कटने का बड़ा कारण है लेकिन शहरी सड़कों का तो कोई लेवल ही नहीं होता। सड़कों की दुर्गति में हमारे देश का उत्सव–धर्मी चरित्र भी कम दोषी नहीं है। महानगरों से लेकर सुदूर गांवों तक घर में शादी हो या राजनैतिक जलसाय सड़क के बीचोंबीच टैंट लगाने में कोई रोक नहीं होती और इसके लिए सड़कों पर चार–छह इंच गोलाई व एक फीट गहराई के कई छेद किए जाते हैं। बाद में इन्हें बंद करना कोई याद नहीं रखता। इन छेदों में पानी भरता है और सड़क गहरे तक कटती चली जाती है।

नल, टेलीफोन, सीवर, पाइप गैस जैसे कामों के लिए सरकारी महकमे भी सड़क को चीरने में कतई दया नहीं दिखाते। सरकारी कानून के मुताबिक इस तरह सड़क को नुकसान पहुंचाने से पहले संबंधित महकमा स्थानीय प्रशासन के पास सड़क की मरम्मत के लिए पैसा जमा करवाता है। नया मकान बनाने या मरम्मत करवाने के लिए सड़क पर ईंटें, रेत व लोहे का भंडार करना भी सड़क की आयु घटाता है। कालोनियों में भी पानी की मुख्य लाइन का पाइप एक तरफ ही होता है, यानी जब दूसरी ओर के बाशिंदे को अपने घर तक पाइप लाना है तो उसे सड़क खोदनी ही होगी। एक बार खुदी सड़क की मरम्मत लगभग नामुमकिन होती है।

सड़क पर घटिया वाहनों का संचालन भी उसका बड़ा दुश्मन है। दुनिया में शायद भारत में ही देखने को मिलेगा कि सरकारी बसें हों या फिर डग्गामारी करती जीपें, निर्धारित से दुगनी सवारी भरने पर रोक के कानून महज पैसा कमाने का जरिया मात्र हाते हैं। ओवरलोड वाहन, खराब टायर, दोयम दर्जे का ईंधन, ये सभी बातें सरकार के चिकनी रोड के सपने के साकार होने में बाधाएं हैं।

सवाल यह खड़ा होता है कि सड़क–संस्कार सिखाएगा कौन? ये संस्कार सड़क निर्माण में लगे महकमों को भी सीखने होंगे और उसकी योजना बनाने वाले इंजीनियरों को भी। संस्कार से सज्जित होने की जरूरत सड़क पर चलने वालों को भी है और यातायात व्यवस्था को ठीक तरह से चलाने के जिम्मेदार लोगों को भी।

वैसे तो यह समाज व सरकार दोनों की साझा जिम्मेदारी है कि सड़क को साफ, सुंदर और सपाट रखा जाए लेकिन हालात देखकर लगता है कि कड़े कानूनों के बगैर यह संस्कार आने से रहे।

अमेरिकी पलायन से भारत के लिए पैदा खतरे

तमाम घटनाक्रम के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हुई चर्चा बहुत अहम है। अफगानिस्तान की सीमा से लगे मध्य एशियाई देशों को रूस हथियार मुहैया करवा रहा है, जिन्हें तालिबान से भारी खतरा सता रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ईरान की यात्रा की है, उसे भी तालिबान को लेकर गंभीर फिक्र है। अफगानिस्तान में आईएसआई के पदचिन्ह साफ दिखाई दे रहे हैं...

जी. पार्थसारथी

भारत के पश्चिमी पड़ोसी मुल्क आजादी के समय से ही आतंकवाद और सीमा संबंधी समस्याओं से ग्रस्त रहे हैं। फिलहाल अफगानिस्तान में टकराव बन चला है, जहां इस्लामिक स्टेट–खुरासान यानी आईएस(के) के नाम से एक नया आतंकी संगठन उभरा है। भले ही इस्लामिक स्टेट खुरासान के कुछ सिद्धांत तालिबान वाले हैं–जिसे आमतौर पर कट्टरपंथी इस्लामिक विचारधारा कहा जाता है, इसके बावजूद वह तालिबान के खिलाफ है। इस आईएस(के) ने हाल ही में काबुल एयरपोर्ट पर बम धमाके करके अंतर्राष्ट्रीय ध्यान खींचा है। इसका मकसद अमेरिकी सैनिक और सिविलियन लोगों को मारने के अलावा अमेरिकी फौज की निर्विघ्न वापसी में खलल डालना था।

अफगानिस्तान के अप्रत्याशित घटनाक्रम के बाद बड़ी संख्या में विदेशी और अफगान नागरिकों ने क्रूर तालिबानी निजाम की आशंका से देश छोडना चुना। हालांकि तालिबान ने बैरियर लगाकर अफगान नागरिकों को रोकने वाली नीति अपनाकर उन्हें रुकने को मजबूर कर दिया। अफसोस की बात है कि अफगानिस्तानी लोग, जिनके जीवनस्तर और निजी आजादी में पिछले दो दशकों के दौरान काफी सुधार हुआ था, अब भविष्य के कड़े नियमों को लेकर डरे हुए हैं। भारत ने तेजी से काम करते हुए अपने अधिकांश लोग हवाई मार्ग से निकाल लिए हैं। हालांकि कुछ अभी भी अफगानिस्तान में फंसे हुए हैं, क्योंकि हुकूमत ने भारतीय मूल के अफगान नागिरकों को भी देश से बाहर जाने की मनाही कर दी है। जाहिर है, आम अफगानों की लोकतांत्रिक आजादी छिनने के अलावा जीवनस्तर पर गंभीर और विपरीत असर पडने की पूरी संभावना है।

भारत ने अफगानिस्तान में जो सहायता परियोजनाएं चला रखी थीं, जैसे कि सलमा बांध और काबुल तक बिजली–तारों की व्यवस्था और ससंद भवन बनाने जैसे अनेकानेक कामों से अफगान लोगों में बहुत साख अर्जित की है। 9 करोड़ डॉलर की लागत से बना अफगानिस्तान का नया प्रभावशाली संसद भवन, जिसमें राजस्थान का संगमरमर लगाया गया है, का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2015 में किया था। तालिबान का कहना है कि वे भारत की सहायता से बन रही परियोजनाएं जारी रखने के इच्छुक हैं। मजेदार बात यह है कि तालिबान भारत के साथ सारा द्विपक्षीय व्यापार पाकिस्तानी मार्गों से करने को कह रहा है। यह हैरानीजनक है क्योंकि भारत पहले ही अफगानिस्तान तक माल ले जाने को ईरान के चाबहार बंदरगाह पर काफी निवेश कर चुका है। तथापि, ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन पर अफगान सरकार से वार्ता हो सकती है। अफगानिस्तान में शैक्षणिक सुविधाओं का विकास और गेहूं एवं अन्य खाद्य पदार्थों की आपूर्ति पर विचार हो सकता है। इसके अलावा, उनकी जरूरतें और तरजीहें जानने के बाद, यथेष्ठ औद्योगिक परियोजनाओं में सहयोग पर भी बात हो सकती है और काम हाथ में लिया जा सकता है।

जिस अपमानजनक ढंग से अमेरिका को अफगानिस्तान छोडना पड़ा है, उससे भारत और अन्य देशों के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। बहुत से लोगों की अपेक्षा के विपरीत अफगान सेना ने चंद दिनों में ही तालिबान के सामने घुटने टेक दिए। भारत को दरपेश अब मुख्य चुनौती यह है कि अफगान सेना की अक्षमता के कारण अमेरिकी हथियारों और साजो–सामान का बहुत बड़ा भंडार तालिबान के हाथ लग गया है। फिलहाल मुल्ला अब्दुल गनी बरादर की अगुवाई में तालिबान के नेतृत्व वाली आरजी सरकार काम चला रही है। मुल्ला बरादर ने पाकिस्तानी जेलों में आठ साल बिताए हैं। वह सदा तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर का निकटवर्ती रहा है। लेकिन अभी तक तालिबान का सुप्रीम सैन्य कमांडर हिबातुल्लाह अकुनजादा परिदृश्य पर नमूदार नहीं हुआ है। मुल्ला बरादर की अच्छी खासी प्रसिद्धि है और एक दक्ष वार्तावार वाली छवि है। साफ है पाकिस्तान का ध येय उसे प्रतीक–पुरुष की तरह इस्तेमाल करने का है। सरकार के मौजूदा राष्ट्रीय सुरक्षा नियंत्रण में सिराजुद्दीन हक्कानी गुट का दबदबा है, जो पाकिस्तान के खासमखास चेलों में एक है। सिराजुद्दीन हक्कानी और उसका परिवार श्हक्कानी नेटवर्क्य चलाते हैं, जो सबसे खूंखार और निर्दयी इस्लामिक गुटों में आता है और इसे तालिबान का समर्थन भी प्राप्त है। हक्कानी नेटवर्क ने अफगानिस्तान में भारतीय दूतावास और उप–दूतावासों पर हुए आतंकी हमलों में भाग लिया था। विडंबना यह कि 1980 के दशक में डूरंड सीमा रेखा के पार सोवियत यूनियन के खिलाफ लडने वाले जो जेहादी अफगान सशस्त्र गुट अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए को बहुत प्रिय थे, उनमें यह एक था।

सिराजुद्दीन हक्कानी और आईएसआई से निकट यारी रही है और उसका एक श्सरमायाच्य गिना जाता है। वह लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद जैसे जेहादी गुटों से भी निकट संपर्क रखता है। अमेरिका का मुख्य निशाना अब अपने तैयार किए हक्कानी जैसे तालिबान सरगनाओं की बजाय इस्लामिक स्टेट पर अधिक रहेगा। अमेरिका द्वारा घोषित आतंकी हक्कानी की इस्लामाबाद और उत्तरी वजीरिस्तान में बहुत जायदाद है। जाहिर है भारत यह आकलन करेगा कि तालिबान के हाथ लगे हथियार, गोला–बारूद, हेलीकॉप्टर गनशिप और अन्य हवाई जहाज, जो अमेरिका ने अफगानिस्तान को दिए थे, उनका क्या असर रहेगा। कोई हैरानी नहीं कि ये हथियार भारत के खिलाफ रहे हक्कानी नेटवर्क को मिल जाएं।

फिलहाल अमेरिकी बैंकों में रखा अफगानिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार श्फ्रीज्य है। इसलिए अफगानिस्तान एक तरह से दिवालिया हालत में है और आयात के लिए पैसा चुकाना लगभग असंभव है। इसी बीच तालिबान सरकार ने कहा है कि भारत के साथ व्यापार पाकिस्तान के रास्ते जारी रह सकता है, जबकि पाकिस्तानी सरकार खुद गंभीर विदेशी मुद्रा संकट झेल रही है। समस्या और गंभीर हो चली है क्योंकि उसे चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा निर्माण की एवज में चीन से लिया भारी ऋण चुकाना है। इस गलियारे की वजह से पाकिस्तान का हश्र भी श्रीलंका जैसा होगा, जो इसी तरह चीनी कर्ज के मकडजाल में फंसा था। तमाम घटनाक्रम के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हुई चर्चा बहुत अहम है। अफगानिस्तान की सीमा से लगे मध्य एशियाई देशों को रूस हथियार मुहैया करवा रहा है, जिन्हें तालिबान से भारी खतरा सता रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ईरान की यात्रा की है, उसे भी तालिबान को लेकर गंभीर फिक्र है। अफगानिस्तान में आईएसआई के पदचिन्ह साफ दिखाई दे रहे हैं। भारत को तालिबान से राब्ता जरूर रखना चाहिए। भारत को सावधानी रखते हुए आगे कदम तभी बढ़ाने होंगे, जब तक सुसपष्ट और प्रमाणित आश्वासन नहीं मिल जाता कि तालिबान ने जो अफगान भूमि और हथियार कब्जाए हैं, उनका इस्तेमाल भारत में आतंकवाद बढ़ाने के लिए नहीं होगा।

द्वितीय पुण्यतिथि पर याद किए गए समाज सेवी,शिक्षक स्व0रामविलास गुप्त

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत डाड़ी निवासी समाज सेवी गांधीवादी विचारक पूर्व शिक्षक स्व रामविलास गुप्त के द्वितीय पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में

स्व गुप्ता जी के दिव्य आत्मा की शांति के लिए वैदिक आर्य हवन यज्ञ कर उनके चित्र पर फुल माला अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। हवन यज्ञ के पश्चात क्षेत्र के 251 गरीब असहाय लोगों को अंगवस्त्र और 101 गरीब बच्चों को टी शर्ट दान किया गया। अंग वस्त्र वितरित करने के पश्चात मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महिला मोर्चा कि प्रदेश उपाध्यक्ष स्मिता चन्द ने कहा कि स्व गुप्ता जी प्रख्यात गांधीवादी, समाजसेवी, आदर्श शिक्षक, शोषित वंचितों के अधिकारों के लिए लड़ते रहे और वे असहाय लोगो के निरंतर मदद करते रहे। उन्होंने जरूरतमंदो की सेवा करना अपना प्रथम कर्तव्य मानकर चलते रहे। आज इनकी कमी हम सभी को खलेगी। इनकी द्वितीय पुण्यतिथि पर इनको शत–शत नमन है।राकेश रमण गुप्त, रोहित रमण गुप्त राजेश गुप्ता ने श्री गुप्ता जी के व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके बताये रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। पुण्यस्मृति समारोह की शुरुआत बंशी चन्द इंटर कॉलेज, बंशी चंद पी जी कॉलेज चिलवां कैलाशी देवी इंटर कॉलेज डडवापर, आनंद विद्यापीठी इंटर कॉलेज ककरही, अभ्युदय पब्लिक इंटर कॉलेज राजगढ़ आदि विद्यालयों के गणमान्य लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर की। इस अवसर पर रणविजय चन्द, देवेन्द्र चन्द, पं. ब्रह्मानंद शास्त्री, शैलष मिश्रा, विजय मिश्रा, डा राणा सत्य प्रकाश सिंह, ओम प्रकाश यादव, सुरेश यादव, राजू यादव, संगम यादव, नीरज दुबे, जयप्रकाश भारती, छोटेलाल गुप्ता, विनोद गुप्ता सहित आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बर्राह चौराहे पर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र एवम ड्रेस किट का हुआ वितरण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। तहसील अन्तर्गत विकास खण्ड गोला

के घोड़ोंलोटन, बर्राह चौराहे पर प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत त्व्स् प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित बच्चो को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रमाण पत्र और साथ ही ड्रेस किट का भी वितरण मुख्य अतिथि दिलिप कुमार उमर गोला टाउन एरिया के वर्तमान सभासद की उपस्थित में दिया गया इस कार्यक्रम में सभासद विकास कसौधन भी शामिल रहें। इस मौके पर सीएससी संचालक व प्रशिक्षक आनंद कुमार मौर्या की देखरेख में दिया गया। वितरण प्रमाण पत्र एवम ड्रेस किट दो भागों में 46–46 उत्तीर्ण बच्चो को दिया गया जिनके नाम इस प्रकार है, जूही सिंह, नेहा सिंह, विजयलक्ष्मी पान्डेय, कुसुम देवी, आकाश सिंह, सुरेन्द्र कुमार, निहाल चन्द्र ,राजु कुमार, अभय विश्वकर्मा, अभिषेक मौर्या आदि, बच्चो को दिया गया। कार्यक्रम में कोविड–19 प्रोटोकॉल का पुरा पालन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सभासद दिलिप कुमार उमर ने बच्चो के उज्जवल भविष्य की भी कामना की।

किसान सम्मान निधि हर पात्र को दिया जाए– कमिश्नर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोरखपुर। मंडल आयुक्त सभागार में मंडलायुक्त रवि

कुमार एनजी ने डिप्टी डायरेक्टर कृषि सहित अन्य कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर कहा कि किसान सम्मान निधि के पात्र लाभार्थियों को ही किसान सम्मान निधि ा दिया जाए जो सरकारी सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं उनकी जांच कराकर प्रधानमंत्री सम्मान निधि पात्र सूची से उनका नाम निष्कासित किया जाए। गोरखपुर जिले के सरकारी रिकार्ड में यहां 6.15 लाख किसान हैं। जबकि कृषि विभाग के रिकार्ड में 5.45 लाख किसान पंजीकृत हैं। वहीं, गोरखपुर में 5.15 लाख किसान पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ ले रहे हैं। वहीं, जांच के लिए किसानों की सूची जिलेवार सरकारी पोर्टल पर उपलब्ध है। पोर्टल पर अपलोड सूची में वर्ष 20–2021 के 21400 और 21–2022 के 41600 लाभार्थी किसान हैं सत्यापन में लगे लोग जानेंगे कि पात्रों को योजना का लाभ मिल रहा है या नहीं साथ ही प्राप्त धनराशि का उपयोग व किस कार्य में कर रहे हैं? सरकारी, भूमिहीन, आयकर दाता तो इसका लाभ नहीं ले रहा। इस बात का भी पता लगाया जाएगा कि परिवार के कई लोग लाभ तो नहीं ले रहे। अगर ऐसा जांच में मिलता है तो

भेदभाव खत्म करने को बेटी के जन्म पर मनाएं उत्सव

गौरीबाजार, देवरिया । मिशन शक्ति के तहत गौरीबाजार क्षेत्र के एसबीटी पब्लिक स्कूल बखरा विशुनपुरा में छात्राओं को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के लिए जागरूक किया गया। लोक कल्याण ट्रस्ट की तरफ से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम आशुतोष निरंजन व एसपी डा.श्रीपति मिश्र ने दीप जलाकर किया। डीएम ने कहा कि बेटी के जन्म पर भी उत्सव मनाएं। इससे बेटे व बेटी के बीच भेदभाव खत्म होगा। बेटियां बेटों से किसी मामले में कम नहीं है। बल्कि बेटों से आगे निकल रही हैं। फिर भेदभाव क्यों हो रहा है। हमें इस रुढिघ्वादी सोच को बदलना है। एसपी ने कहा कि मिशन शक्ति से बहुत बड़ा बदलाव महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान स्वावलंबन की दिशा में आया है। जनपद के दूर क्षेत्र की महिलाओं की सुविधा के लिए थाना सलेमपुर परिसर में महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी स्थापित की गई है। जिससे महिलाओं को समस्याएं लेकर मुख्यालय आने की जरूरत न पड़े। कहा कि एंटी रोमियो का सकारात्मक व सार्थक प्रभाव दिखा। नारी शक्ति का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। महिलाएं अब किसी क्षेत्र में पीछे नहीं है। मिशन शक्ति के तहत अभियान चलाकर उन्हें और जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त छात्राओं को वूमेन पावर लाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नम्बर, डायल 112 महिला पीआरवी तथा ट्वीटर सेवा के संबंध में जानकारी दी गई। साइबर अपराध से बचाव के संबंध में छात्राओं को जानकारी दी गई। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के हेल्पलाइन नम्बर–155260 के बारे में बताया। इस अवसर पर अंबिका राम क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर, महेश्वरी नन्द त्रिपाठी चेयरमैन एसबीटी पब्लिक स्कूल हाटा रोड बिशुनपुरा गौरीबाजार, लवलेश कुमार, अखिलेन्द्र शाही सचिव इंडियन रेड क्रास सोसाइटी, प्रभारी निरीक्षक डा. अनिल कुमार पांडेय मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

सोहनपुर, देवरिया। बनकटा थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत सोहनपुर के टोला मधईपुर गांव में एक महिला की इलाज के लिए ले जिला चिकित्सालय ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। स्वजन शव लेकर घर चले आए और गांव के ही कुछ लोगों पर पिटाई के बाद बीमार होने और उसी से मौत हो जाने का आरोप लगा रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सोहनपुर गांव निवासी ओमप्रकाश शर्मा की 37 वर्षीय पत्नी संगीता की तबीयत अचानक खराब गई। स्वजन उसे इलाज के लिए जिला चिकित्सालय ले जा रहे थे कि रास्ते में ही महिला ने दम तोड़ दिया। महिला की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पति ने पुलिस को बताया कि आपसी विवाद में गांव के ही कुछ लोगों ने मेरी पत्नी की पिटाई कर दी थी वह तभी से बीमार रह रही थी। जिसकी वजह से उसकी मौत हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा–बुझाकर मामले शांत कराया। थानाध्यक्ष घनश्याम सिंह में कहा कि परिजन झूठ मुठ का हंगामा खड़ा कर रहे थे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। महिला की मौत से परिवार में मातम संगीता की मौत से परिवार में मातम छा गया है। मृतक के दो लड़के आलोक शर्मा उम्र 15 वर्ष व आदर्श शर्मा उम्र 13 वर्ष हैं। मां की मौत से बेटे सदमे में हैं। दरवाजे पर जुटी भीड़ उन्हें सांत्वना देने में लगी रही।

कालाजार के इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे चिकित्सक: सीएमओ

देवरिया। कालाजार उन्मूलन के संबंध में पाथ संस्था के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग ने शहर के एक होटल में ....कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों, चिकित्सकों और स्टाफ नर्सेज को कालाजार से बचाव और इलाज का प्रशिक्षण दिया गया।

सीएमओ डा. आलोक पांडेय ने कहा कालाजार का इलाज सदर अस्पताल में उपलब्ध है। ऐसे में संबंधित रोगियों में लक्षण मिले तो उन्हें तुरंत सदर अस्पताल भेजने के उपाय करें। इस बीमारी को जड़ से समाप्त करने में चिकित्सकों की बड़ी भूमिका है, जिस पर गंभीरता व जिम्मेदारी से काम करने की जरूरत है।

एसीएमओ डा. सुरेन्द्र सिंह ने कहा संभावित मरीजों को सीएचसी–पीएचसी और जिला अस्पताल भेज कर आरके–39 जांच करवानी है। जांच में कालाजार की पुष्टि होने पर 48 घंटे के भीतर इलाज शुरू कर देना है। पाथ संस्था के प्रोग्राम आफिसर और प्रशिक्षक डा. ज्ञान चंद ने कालाजार बीमारी के लक्षण, जांच, उपचार एवं रोकथाम के बारे में विस्तार से जानकारियां दीं। उन्होंने चिकित्सकों को बताया कि पहले उन्हें कालाजार के बारे में पूरी जानकारी खुद रखनी चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें मरीजों की पहचान को लेकर भी कई टिप्स दिए। प्रशिक्षुओं को बताया गया कि कालाजार बालू मक्खी से फैलने वाली एक संक्रामक बीमारी है। कालाजार से प्रभावित मरीजों की जांच एवं उपचार तुरंत करने पर खतरा टल सकता है। कालाजार का प्रमुख लक्षण 15 दिनों से अधिक बुखार, भूख ना लगना, वजन कम होना है। प्रशिक्षकों ने चिकित्सकों को बताया कि इलाज नहीं होने की स्थिति में इस बीमारी से जटिलताएं बढ़ सकती हैं। डब्ल्यूएचओ के जोनल कोआर्डिनेटर डॉ. सागर घोड़ेकर और कालाजार विशेषज्ञ डॉ. पंकज कुमार ने भी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण में एसीएमओ डा. राजेंद्र प्रसाद, जिला मलेरिया अधिकारी आर. एस. यादव, सहायक मलेरिया अधिकारी सुधाकर मणि, हस्मत खान, पाथ संस्था से देशदीपक, कामेश्वर दूबे, राहुल यादव आदि प्रभारी चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने प्रयागराज में बनने वाले इनर रिंग रोड के प्रगति की समीक्षा की

प्रयागराज। मण्डलायुक्त संजय गोयल ने शुक्रवार को गांधी सभागार में प्रयागराज में बनने वाले इनर रिंग रोड के निर्माण के सम्बंध में की जा रही कार्रवाईयों के प्रगति की समीक्षा करते हुए रिंग रोड के प्रथम फेज में रीवा रोड से सहसों तक बनने वाले सड़क के निर्माण कार्य को महाकुम्भ–2025 को लक्ष्य में रखते हुए पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, प्रयागराज के परियोजना निदेशक ए.के राय ने बताया कि रिंग रोड के निर्माण का कार्य दो फेज में कराया जायेगा। पहले फेज में रीवा रोड से सहसों तक तथा दूसरे फेज में रीवा रोड से कौड़िहार के कसारी गांव तक निर्माण कराया जायेगा। उन्होंने यह भी बताया कि प्रस्तावित इनर रिंग रोड की लम्बाई 65.66 किमी होगी तथा जिसकी कुल लागत 7030 करोड़ रूपये होगी। उन्होंने बताया कि इनर रिंग रोड के एलाइनमेंट का कार्य फाइनल हो गया है तथा भूमि अधिग्रहण का कार्य चल रहा है। इनर रिंग रोड के निर्माण में कुल 03 पुलों का भी निर्माण कार्य कराया जायेगा। जिसमें दो पुल गंगा नदी पर एवं एक पुल यमुना नदी पर बनेगा। इसके साथ ही साथ 06 रेलवे ओवरब्रिज भी बनाया जायेगा। बैठक में मण्डलायुक्त ने भूमि अधिग्रहण के कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने तथा रेलवे, पीडब्लूडी एवं सम्बंधित विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए सभी आवश्यक कार्यवाहियां समय से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि इनर रिंग रोड के निर्माण कार्य में यदि कोई समस्या होती है, तो संज्ञान में लाते हुए उसका निराकरण कराना सुनिश्चित करायें। मण्डलायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को इनर रिंग रोड के प्रथम फेज के कार्य को महाकुम्भ–2025 को लक्ष्य में रखते हुए पूर्ण कराये जाने के लिए कहा है। इस अवसर पर अपर आयुक्त, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण प्रयागराज के परियोजना निदेशक, पीडब्लूडी के अधिकारीगणों के अलावा अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शिक्षकों, कर्मचारियों का भविष्य सपा सरकार में ही सुरक्षित:कुलदीप यादव

प्रयागराज। समाजवादी शिक्षक सभा द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए समाजवादी शिक्षा सभा के राष्ट्रीय महासचिव कुलदीप यादव ने बताया कि आगामी 5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर समाजवादी शिक्षक सभा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन एवं शिक्षक सम्मान समारोह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव उपस्थित रहेंगे। प्रोफेसूर बी पांडे ने बताया कि जिस ग्रामीण अंचल क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री का पदार्पण हो रहा है वह राजनीतिक दृष्टि से काफी पिछड़ा रहा है यहां पर कोई भी किसी भी पार्टी का बड़ा नेता नहीं आया क्षेत्रीय लोगों में बड़ा उत्साह है कि माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष का उनके क्षेत्र में आगमन हो रहा हैघ। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने संबोधन में क्षेत्र की जनता को सरकार बनने पर काफी सौगात देने का ऐलान भी करेंगे समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर बी पाण्डेय ने बताया सरकार बनने पर जंगीगंज से सेमराध नाथ पौराणिक मंदिर तक फोरलेन सड़क, गंगा नदी पर पुल, ज्ञानपुर स्थित राजकीय महाविद्यालय को विश्वविद्यालय का दर्जा तथा भदोही जनपद में मेडिकल कॉलेज देने की मांग करेंगे शिक्षकों के लिए अखिलेश यादव वित्तविहीन शिक्षकों के मानदेय देने, पुरानी पेंशन बहाल करने का भी आश्वासन देंगे और माननीय उच्चतम न्यायालय की वैधानिकता को देखते हुए व उसका सही रास्ता निकालते हुए शिक्षामित्रों के सहायक अध्यापक बनने का रास्ता निकालने का कार्य किया जाएगा इसके साथ शिक्षकों की अन्य समस्याएं सरकार बनने पर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने का भी आश्वासन देंगे। प्रोफेसर बी पाण्डेय ने समस्त शिक्षकों व क्षेत्र की जनता से अपील की है कि आगामी 5 सितंबर को जे आर एस एन पब्लिक स्कूल इनारगांव डुहिया सेमराध 10 बजे पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा आफताब आलम खान, जनार्दन समदर्शी, डा सुरेश, राष्ट्रीय सचिव चन्द्रशेखर सिंह, विनोद चन्दा, अर्जुन यादव, मोहम्मद शारिक, सैय्यद मोहम्मद अस्करी, जामिन, हसन आदि लोग मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त फौजी के तीन हत्यारोपित गिरफ्तार

मदनपुर, देवरिया। क्षेत्र के ग्राम बारीडीहा में हुई पूर्व फौजी की हत्या मामले में तीन आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। फरार अन्य आरोपितों की सरगर्मी से तलाश जारी है। रविवार की सुबह पूर्व सैनिक जिउतबंधन दुबे की रास्ते में लगे पेड़ के विवाद में हत्या हो गई। मृतक के भाई की तहरीर पर पांच नामजद सहित दो अज्ञात के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई थी। आरोपित सदानंद उर्फ गुलाब दुबे पुत्र ध्रुप दुबे, उनकी पत्नी सीता देवी व पुत्री प्रीति को मानस मोड़ से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्रभारी थानाध्यक्ष रामजी सिंह ने बताया कि फरार चल रहे आरोपितों की तलाश की जा रही है। घटना को लेकर थानेदार पर गिर चुकी है गाज.. वर्षों से चल रही घटना में स्थानीय पुलिस की शिथिलता को लेकर थानेदार पर गाज गिर चुकी है। साथ ही एक उपनिरीक्षक व कांस्टेबल भी उच्चाधिकारी का कोपभाजन बन चुके है। चार दिन हिरासत में रहीं महिलाएं बारीडीहा में हुई पूर्व सैनिक की हत्या में वांछित तीन अभियुक्त घटना के दिन ही हिरासत में लिए गए थे। जिसको लेकर अपर पुलिस अधीक्षक ने अपना बयान भी जारी किया था। किंतु तत्कालीन थानाध्यक्ष द्वारा चार दिन तक महिलाओं को थाने में बैठाए रखा गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा मदनपुर पुलिस पर की गई कार्रवाई के बाद आननफानन अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया। फरार चल रहे आरोपित के घर की हुई कुर्की : देवरिया। कोतवाली पुलिस ने बरियारपुर थाना क्षेत्र के मीर सुकरौली में हत्या व दुष्कर्म के मामले में 2018 से फरार चल रहे आरोपित रैफुल्लाह पुत्र समसुदीन के घर की कुर्की की कार्रवाई की। पुलिस लगातार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी लेकिन वह हाथ नहीं आया। ऐसे में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपित के घर की कुर्की की। कोतवाल नवीन सिंह ने बताया कि कोर्ट आदेश लेने के बाद आरोपित के घर की कुर्की की गई है। इस दौरान एसआइ बीडी राजभर, श्री प्रकाश राय व पुलिस बल मौजूद रहे।

मारपीट में महिला की मौत,एक गंभीर, मृतका के घर पहुंचे विधायक ने ढाढ़स बढ़ाया

हाटा कोतवाली के ग्राम सभा सकरौली का मामलाहाटा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा/कुशीनगर। कोतवाली

क्षेत्र के ग्राम सभा सकरौली में वृहस्पतिवार की रात आठ बजे के लगभग दो पक्षो में हुआ मारपीट,जिसमे एकपक्ष की एक महिला की मौत इलाज के दौरान हो गयी।वही एक की हालत गम्भीर है, पुलिस ने दोनों पक्ष के तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही में जुट गयी।वृहस्पतिवार की रात आठ बजे के लगभग पुराने विवाद में दो पट्टीदार पुराने विवाद को लेकर बाढु पुत्र भरोसी,मिंटू पुत्र भरोसी,प्रदीप,संदीप पुत्र बाढू व दुसरे पक्ष के मृत्युज्य,देवानंद पुत्रगण परदेसी,गोलू पुत्र मृत्युंजय व परिजनो के बीच लाठी डंडा कुदाल लेकर आपस में भीड गये, और जमकर मारपीट हुआ,जिसमे दोनो पक्ष के लोग घायल हो गए।वही एक पक्ष के श्यामदुलारी देवी व देवानंद को गम्भीर रूप से चोट लगी। परिजनों ने घायलो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया प्राथमिक उपचार के बाद गम्भीर रूप से घायल श्यामदुलारी देवी व देवानंद को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान श्यामदुलारी देवी का मौत हो गया,व देवानंद का इलाज चल रहा है। जिसकी स्थिति गम्भीर बनी हुई हैं। पुलिस को दोनों पक्ष ने तहरीर दिया,जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही में जुट गयी।वही शुक्रवार को श्यामदुलारी देवी के शव को कब्जे में लेकर पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट हेतू भेज दिया।इस सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश पाठक ने बताया कि दोनो पक्ष का तहरीर मिला है, आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर क्षेत्रीय विधायक पवन केडिया ने ढाढस बढाते हुए आर्थिक सहयोग किया,और पुलिस प्रशासन से दोषियो के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए, जिसमें सूचना मिला है कि 2 लोग गिरफ्तार हो गये हैं। और बाकी लोगों पर पुलिस दबाव बना रही हैं। इस मौके पर ग्राम प्रधान लड्डू जायसवाल पूर्व प्रधान अजीत मिश्रा राजकुमार जायसवाल व्यास जायसवाल अरुण पांडे मुन्ना चौरसिया रजनीश बर्नवाल आनंद वर्मा मुंशी सिंह गुड्डू गुप्ता मनोज सिंह आदि मौजूद रहे ।

महिला छात्रावास समेत सभी छात्रावास पूर्णतया खोलने की उठी मांग

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ भवन पर छात्रसंघ बहाली की मांग को लेकर चल रहे संयुक्त संघर्ष समिति के नेतृत्त्व में छात्र नेता अजय यादव सम्राट के अगुवाई में छात्रसंघ बहाली के आंदोलन का 409 वां दिन भी जारी रहा। अनशन स्थल पर शुक्रवार को महिला छात्रावास समेत सभी छात्रावासों में लगे प्रतिबंधा को हटाने पर चर्चा हुई छात्र नेता अजय सम्राट ने कहा कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के चलते 2 वर्षोंसे छात्रावासों में छात्र–छात्राओं रहने के लिए प्रतिबंध लगाया गया है किंतु स्थितियां सामान्य हो गई है अनलॉक डाउन की प्रक्रिया पूर्ण रूप से शुरू हो चुकी है इसके बावजूद भी छात्रावास में रहने वाले छात्र छात्राओं को छात्रावास जो कि छात्र छात्राओं का घर होता है उनके घरों से इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन अपनी तुगलकी फरमान के द्वारा रहने के लिए प्रतिबंध लगाए हुए हैं विश्वविद्यालय इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रशासन से सभी छात्र छात्राओं की मांग है कि छात्रावासों में लगे प्रतिबंध को तत्काल रुप से हटाया जाए और कोरोना के चलते पिछले सत्र में जो नव प्रवेशी छात्र–छात्राएं दाखिला लिए हैं उनको तत्काल प्रभाव से छात्रावास को आवंटित किया जाए यही छात्र हित में होगा यही विश्वविद्यालय के हित में होगा। इस मौके पर छात्र नेता अरविंद्र यादव, राहुल पटेल, आदित्य यादव, अभिषेक यादव, मसूद अंसारी गोलू पासवान, नवनीत यादव, अभिषेक द्विवेदी, हरिकेश कुमार हैरी, मोहम्मद सलमान आदि लोग मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिला पार्टी कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पार्टी जिला अध्यक्ष विजय यादव ने किया और संचालन जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने कियासबैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि यह बैठक बहुत ही महत्वपूर्ण बैठक है। समाजवादी पार्टी का एक–एक कार्यकर्ता घर घर जाकर मतदाता सूची में नाम बनवाने का काम करें और 8 सितंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज का कार्यक्रम विजय वाटिका रावटसगंज में है जिसमें आप लोग अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। यादव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार से जनता अब उब चुकी है। भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में कोई विकास कार्य नहीं किया। राज्य में भाजपा ने जंगलराज बना दिया है । इस कुशासन से मुक्ति के लिए जनता परिवर्तन चाहती है। यादव ने कहा कि 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी को पूर्ण बहुमत का जनादेश देने जा रही है समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि पार्टी प्रत्याशियों को जिताने का अंतर अधिक हो। इसके लिए अभी से चुनाव की तैयारी में लग जाएं। बैठक को संबोधित करते हुए जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने कहा कि प्रदेश की जनता समझ चुकी है कि खुशहाली तभी आएगी जब यहां पर समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। बैठक को संबोधित करते हुए जिला उपाध्यक्ष रामप्यारे सिंह पटेल एवं ओम प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा तो झूठ बोलकर और लोगों को आपस में बांट कर सत्ता हासिल करना चाहती है। हालांकि प्रदेश की जनता उनकी सच्चाई से वाकिफ हो गई है स अब वह उनके बहकावे में आने वाली नहीं है। बैठक के अंत भाजपा छोड़ सपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले आशीष विश्वकर्मा को समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष विजय यादव ने माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। बैठक में मुख्य रूप से राम निहोर यादव मोहम्मद सईद कुरैशी रामप्यारे सिंह पटेल रमेश यादव ओम प्रकाश त्रिपाठी बबई सिंह अनिल प्रधान देव चरण सिंह यादव श्याम बिहारी यादव रविंद्र नाथ चेरो बाबूलाल यादव सदर ब्लॉक अध्यक्ष अशोक पटेल जुबेर आलम परमेश्वर यादव कुमारी मंदाकिनी पांडे तृरत्न रत्नेश शुक्लेश मोहन गुप्ता प्रकाश यादव मुनीर अहमद बेदमणी शुक्ला भोला नाथ निषाद नामवर कुशवाहा त्रिपुरारी कामरान खान सुरेश यादव राजेश विश्वकर्मा अनवर कुरेशी आमिल बेग लाल बरत यादव बबलू रितेश गौतम कुमारी निधि पांडे रुखसाना खाना विपिन कश्यप गौस मोहम्मद लाल बहादुर पाल विजय जैन अमरजीत यादव कृपा शंकर चौहान रघुराज पासी बाबू हाशमी जितेंद्र सूरज चौरसिया लतीफ खान लल्लू भारती राजेश यादव अजीत कुशवाहा सुरेश मौर्य अफरोज खान सुरेश अग्रहरि राम लखन यादव अलख नारायण शुक्ला फारूक अली जिलानी प्रमोद यादव रंजन पांडे राजमणि यादव दयाराम मौर्य सनी सिंह सत्येंद्र ओझा संजय गौड़ इरफान उल्लाह खान रामेश्वर प्रजापति अमरनाथ भारतीय सुल्तान धीरज पाठक रामप्रवेश प्रजापति रामनिवास सचिन पटेल कोमल गुप्ता ललन पासवान रीना राय शिव यादव सुनीता यादव जयप्रकाश विश्वकर्मा सुरेश अग्रहरि दिनेश राजा चतुर्वेदी आदि लोग उपस्थित थे।

धारदार हथियार से हमला युवक घायल पीड़ित परिजनों ने लगाई न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई। टडियावा संवाद प्रशासन की लचर कानून व्यवस्था के चलते आएदिन क्राइम बढ़ते जा रहा है। लेकिन क्षेत्रीय पुलिस की घटिया रवैया के कारण जिला मुख्यालय आने को पीड़ित विवश हो रहे है।

अपना दल एस का चला सदस्यता अभियान, अशोक पटेल को बनाया गया जिला मीडिया प्रभारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमा/सोनभद्र। स्थानीय विकास खण्ड के पगिया में जिलाध्यक्ष सत्य नारायण पटेल के उपस्थिति में अशोक कुमार पटेल के आवास पर अपना दल एस का सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमें मुस्तकीन खान,मकसूद खान,पूर्व प्रधान रमेश चौहान, अशोक पटेल को विधिवत सदस्यता ग्रहण कराया गया। इसी क्रम में अशोक पटेल को जिला मीडिया प्रभारी का पद सौंपा गया। जिलाध्यक्ष पटेल ने कहा कि अपना दल ही एक ऐसी पार्टी है जिसमें सबका विकास ,सबका साथ के साथ चल रही है। इसमें हर समुदाय का काम हो रहा है। इस मौके पर पंकज सिंह, रामपति पटेल जिलाउपाध्यक्ष सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

डी पी आर ओ नें सफाई अभियान का किया औचक निरीक्षण

35 सफाई कर्मी को चेतावनी एवं 7 सफाई कर्मियों का रोका गया वेतन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए नोडल अधिकारी मोहम्मद मुस्तफा के निर्देश के बाद जिला पंचायत राज अधिकारी विशाल सिंह ने रोस्टर के अनुसार ग्राम पंचायतों में सफाई अभियान का औचक निरीक्षण किया विकास खंड रावस्ट्सगंज के ग्राम पंचायत बिच्छी, पसही कला, तरावा एवं चुर्क में किये गये निरीक्षण में 35 सफाई कर्मी कार्य में लापरवाही करते हुए पाए गए जिनको कड़ी चेतावनी जारी किया गया। 7 सफाई कर्मी मौके पर नही पाये गये जिनका वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण जारी करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला पंचायत राज अधिकारी ने सभी सहायक विकास अधिकारी पंचायत, सचिव व सफाई कर्मियों को सख्त चेतावनी देते हुए निर्देशित किया कि 19 तारीख तक जनपद के सभी ग्राम पंचायतों में रोस्टर के अनुसार सफाई होना है। सफाई अभियान के दौरान झाड़ी कटाई, एंटी लार्वा दवा का छिड़काव, छोटे–छोटे गड्ढे में पानी भरा है उनको मिट्टी से पाटना है तथा गलियों नालियों को सफाई, पंचायत भवन, स्कूल के पास सफाई तथा हैंडपंप के आसपास की सफाई सुनिश्चित किया जाना है। डीपीआरओ ने चेताया की निरीक्षण के समय जिनमें कमियां पाई जाती हैं संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि इस समय गांव में मच्छर के बढ़ने की संभावना है एंटी लार्वा दवा का छिड़काव किया जाना अत्यंत आवश्यक है। सहायक विकास अधिकारी पंचायतों को भी निर्देशित किया गया कि अभियान के दौरान प्रतिदिन कम से कम 5 ग्राम पंचायतों का स्वयं निरीक्षण कर सफाई अभियान की स्थिति देखकर अपनी आख्या प्रेषित करें सफाई अभियान में अगर लापरवाही पाई जाती है तो इसके लिए वो स्वयं जिम्मेदार होंगे। निरीक्षण के समय सहायक विकास अधिकारी पंचायत रावस्ट्सगंज कृपाशंकर शुक्ला डीपीसी अनिल केसरी उपस्थित रहे।

हिंदी के उत्तरोत्तर विकास के लिए विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान ने किया मंथन

रजत जयंती समारोह में कई प्रांतों के हिंदी सेवियों ने किया प्रतिभाग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। हिंदी को विश्व की सर्वाधिक लोकप्रिय भाषा का स्थान दिलाने के लिए प्रयासरत अंतरराष्ट्रीय संस्था 'विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान' प्रयागराज इन दिनों अपना रजत जयंती समारोह मना रहा है। समारोह के प्रथम दिन शनिवार को प्रयागराज के हिंदुस्तानी एकेडमी के महात्मा गांधी सभागार में हिंदी भाषा के उत्तरोत्तर विकास पर विद्वानों द्वारा विचार व्यक्त किए गए। इस दौरान देश के कई प्रदेशों से आए हिंदी सेवियो की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। दो सत्रों में चले रजत जयंती समारोह में कविता पाठ और हिंदी पर विचार व्यक्त किए गए। इस अवसर पर दर्जनों हिंदी सेवियो को विभिन्न उपाधियां प्रदान की गई और कईयों का सम्मान भी किया गया। राकेश शरण मिश्र हुए सम्मानित समारोह के मुख्य अतिथि प्रकांड विद्वान व हिंदुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री उदय प्रताप सिंह, विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ के मूर्धन्य विद्वान डॉ विनय कुमार पाठक और उत्तर प्रदेश सोनभद्र के राष्ट्रपति व राज्यपाल पुरस्कृत सेवानिवृत्त शिक्षक व साहित्यकार ओम प्रकाश त्रिपाठी तथा अध्यक्षता कर रहे विश्व हिंदी साहित्य सेवा संस्थान के अध्यक्ष शहाबुद्दीन शेख और सचिव डॉ गोकुलेश्वर कुमार द्विवेदी द्वारा सोन साहित्य संगम सोनभद्र के संयोजक कवि एवं पत्रकार राकेश शरण मिश्र को उनकी हिंदी सेवा के लिए उल्लेखनीय योगदान हेतु मेडल, सम्मान पत्र और अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात, तामिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और आंध्र प्रदेश से सैकड़ों हिंदी प्रेमी मौजूद रहे।

दुद्धी को जिला बनाएं जाने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। दुद्धी को जिला बनाये जाने की मांग को लेकर दुद्धी को जिला बनाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारी तथा संयुक्त बार संघ के अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में जमकर प्रदर्शन कर नारेबाजी किया। बता दे की दुद्धी को जिला बनाये जाने की मांग वर्षों से किया जा रहा है।दुद्धी की जनसंख्या ,राजस्व ग्राम , न्याय पंचायत के अलावा कई नगर पंचायत आदि है जो जिला बनाने के सभी मानक को पूरा कर रहा है द्यविगत विधान सभा चुनाव में प्रदेश व केंद्र के मंत्रियों व नेताओं ने दुद्धी को जिला बनाने का वादा किया था । लेकिन अब तक दुद्धी को जिला नही बनाया जाना यहाँ के लोगो का दुर्भाग्य है। इसलिए सोनभद्र से पृथक कर दुद्धी को जिला बनाया जाना अत्यंत आवश्यक है इस अवसर पर दुद्धी बार अध्यक्ष कैलाश कुमार गुप्ता, प्रेमचंद यादव, सचिव प्रदीप गुप्ता, रामेश्वर तिवारी, रामपाल जौहरी, विष्णु कांत तिवारी, पीयूष अग्रहरि सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गोला तहसील सभागार में समाधान दिवस का हुआ आयोजन

● डी एम के न आने से फरियादी हुए मायूस

● कुल 150मामले आये निस्तारण मात्र छह का हुआ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस कीअध्यक्षता उपजिलाधिकारी गोला राजेन्द्र बहादुर ने किया।नवागतडी एम साहब को रोस्टर के अनुसार गोला पर आयोजित समाधान दिवस की अध्यक्षता करना था लेकिन अचानक दैवी आपदा बाढ़ का प्रकोप बढ़ जाने व सूबे के मुखिया मा योगी जी के आगमन के कारण उपस्थित नही हो पाए।जिले के अधिकांश उच्चाधिकारी मुख्यमंत्री के आगमन के कारण गोला तहसील पर अपनी उपस्थिति नही दर्ज करा पाए। सी ओ गोला अंजनी कुमार पांडेय तहसीलदार गोला केशव प्रसाद नायब तहसीलदार पंकज कुमार गुप्ता ने पीड़ितों की पीड़ा को सुना ।बिभाग से सम्बंधित प्रार्थना पत्र विभागवार समाधान करने के लिए दे दिए गए ।इस समाधान दिवस पर कुल 150 आवेदन आये जिसमे मात्र 6 आवेदन का निस्तारण हुआ । प्राप्त बिबरण के अनुसार इस बार समाधान दिवस की अध्यक्षता नवागत जिलाधिकारी विजय किरण आनंद को करना था लेकिन अचानक आयी बाढ़ व साथ ही सूबे के मुखिया मा मुख्यमंत्री जी के दौड़े की बजह से उपस्थित नही हो पाए । फरियादियों को पूर्ण भरोसा था कि जिला प्रशासन मुखिया के यहां दस्तक देकर अपनी पीड़ा को कहेंगे ।और निस्तारण भी होगा ।बारह बजे तक फरियादियों ने डी एम साहब की प्रतीक्षा किया। लेकिन कुछ भी पता न लगने के बाद फरियादियों की संख्या समाधान दिवस पर उमड़ पड़ी ।और 150 लोगो ने अपनी फरिया दर्ज कराई। उपजिलाधिकारी क्षेत्राधिकारी तहसीलदार व नायब तहसीलदार ने पीड़ा को सुना। और समाधान दिवस की कार्यवाही पूरा हुआ ।तहसील दिवस अधिकारी रविवार को वी एस ए वी इंटरकॉलेज परिसर में मा मुख्य मंत्री के आगमन की ब्यवस्था में ब्यस्त रहे। मौके पर कुछ समय फरियादियों की पीड़ा को बखूबी सुना ।जिगनी बुजुर्ग निवासी एक युवती ने आवेदन देते हुए कहाकि मेरा मुकदमा दर्ज हो चुका है मुकदमे में बांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी गोला पुलिस नही कर रहीहै।अभियुक्त बराबर जान माल की धमकी दे रहा है। एस डी एम गोला ने शीघ्र कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया।इसके अतिरिक्त अन्य और भी मामले समाधान दिवस पर आए। इस समाधान दिवस पर आर आई बी डी त्रिपाठी अवधेश यादव रमाकांत यादव राम उजागीर मिश्र संजय सिंह सी बी चौरसिया शिवशंकरप्रसाद शैलेश राय वीरेंद्र पांडेय नरसिंह वर्मा राजू सिंह चंदन जायसवाल सहित अन्य विभागों से लोग उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का किया दौरा बाटा राहत सामाग्री

दैनिक बुद्ध का सन्देश

फरेन्दा/महराजगंज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को महाराजगंज में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया। बताते चले कि बृजमनगंज विकास खंड में स्थित जीएस नेशनल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में बाढ़ पीड़ितों को बाढ़ राहत सामग्री वितरण किए। इसके पहले उन्होने सिद्धार्थनगर जिले का भी दौरा किया और उन्होंने पत्रकारों से कहा कि लगातार 15 दिनों तक बारिश के कारण नेपाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश के 15 से 20 जनपद प्रभावित हुए हैं। इन जिले के लोगों के भविष्य को लेकर सरकार चिंतित है। किसानों की फसल चौपट हो गई है। कई घर तबाह हो चुके हैं, जिन्हें राहत देने का काम तेजी से शुरू किया गया है। सभी जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को राहत कार्य मे लगाया गया है। कहीं कोई कमी नहीं रहने पाएगी। उन्होंने यह भी कहां कि बाढ़ राहत व बचाव कार्य की समीक्षा करने व संवेदना व्यक्त करने यहां आया हूं। प्रशासन को सर्वे कर मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं।बताया कि बाढ़ के बाद बीमारी फैलती है, इसके लिए पांच से 12 सितंबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के साथ नगर विकास, महिला विकास व ग्राम्य विकास विभाग मिलकर सभी बाढ़ पीड़ित परिवार की स्क्रीनिग करेगा और स्वच्छता, शुद्ध पेयजल व सैनिटाइजेशन की व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। बाढ़ में हर परिवार तक क्लोरीन की गोली पहुंचाई जाय। शुद्ध जल की व्यवस्था में कोई कमी न रहने पाए। बाढ़ या बारिश से किसी का मकान ध्वस्त हुआ हो तो 95 हजार रुपये आर्थिक सहायता देने के निर्देश गए हैं। नदी में विलीन घर के मकान मालिक को मुख्यमंत्री आवास योजना से लाभ मिलेगा। उसका बाजार में मुख्यमंत्री 250 बाढ़ पीड़ित परिवार से मिले। उनके बच्चों को पुचकारा और महिलाओं से बातचीत की। एक–एक कर सभी पीड़ितों तक पहुंचे और उनकी बातें सुनीं। इस दौरान केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, ज्ञानेंद्र सिंह, फरेंदा विधायक बजरंग बहादुर सिंह, सदर विधायक जय मंगल कनौजिया, भाजपा जिलाध्यक्ष रविदास आदि मौजूद रहे।

युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विशाल पांडेय हुआ पगिया तिराहे पर जोर दार स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमा/सोनभद्र। स्थानीय भाजपा मंडल क्षेत्र के पगिया तिराहे पर मौर्य भवन में युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विशाल पांडेय का भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए पांडेय ने कहा कि हमारी सरकार सबका साथ सबका विकास, सबका ध्यान रखते हुए सबका विश्वास जीत रही है, इसलिए अन्य दलों में खलबली मची हुई है। योगी सरकार ने अपने कार्यकाल में जो कर दिया वह अन्य सरकार के बस की बात नहीं थी। इस कोरोना काल में सभी काड्र्स धारकों को मुफ्त में अनाज दिलवाने काम किया। मुख्यमंत्री मंत्रीध्प्रधानमंत्री आवास योजना के रूप में गरीबों का आशियाना बनाया गया है। बहन बेटियों के रक्षा के लिए 1090,1092 एंटीरोमिय की ब्यवस्था कर नापाक इरादों के पानी फेर दिया है तीन तलाक का खण्डन कर मुस्लिम महिलाओं के लिए कानून की ब्यवस्था कर दिया। हमारी सरकार बूथ स्तर पर काम करती। हमारा बूथ सबसे मजबूत बन कर सरकार बनाने का काम करता है।कार्य कर्ता घर घर जाकर सरकार के उपब्धियों को बतायें अगर विकास के कड़ी में कोई छूट गया हो तो उसे विकास के कड़ी जोड़ने का काम करे।कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री मनिष मिश्रा ने किया।इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष जिला कार्यसमिति के सदस्य राजेश मिश्रा, डॉ0 प्रसन्न पटेल, मंडल अध्यक्ष डा0 धर्मेन्द्र शर्मा, विपिन तिवारी मीडिया प्रभारी, मंडल महामंत्री रविन्द्र बहादुर सिंह, मंडल उपाध्यक्ष सुधीर सिंह सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएचसी सिरसिया में पानी भरने से,क्षेत्र के मरीजों की बढ़ी परेशानी

बढे मरीज कम संसाधानों के बीच बेहतर स्वास्थ सुबिधा देने का प्रयास

सच्चिदानन्द मिश्रा/
दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। ब्लाक क्षेत्र मे राप्ती का जल स्तर भले ही कम हो रहा है,मगर अभी भी लोगों की बाढ़ की समस्या कम होने का नाम नही ले रही है ।सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र सिरसिया में करीब तीन हफ्ते से भरा बाढ के पानी के कारण पीएचसी भनवापुर में मरीजों के साथ ही प्रसव के मामले भी बढ़ गये है। भनवापुर ब्लाक क्षेत्र मे बाढ़ मरीजों के आफत बन कर आयी है ।ब्लाल क्षेत्र का इकलौता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसिया में बाढ़ का पानी भर जाने से पूरा संचालन पीएचसी भनवापुर से हो रहा है ।इसलिए पीएचसी पर मरीजों की संख्या काफी बढ़ गयी है शनिवार को मरीजों का इलाज कर रहे डॉ सुजीत कुमार यादव ने बताया कि इस समय पहले की अपेक्षा मरीजों की संख्या में दो गुना इजाफा हुआ है,पहले 30से 40 मरीज आते थे अब 60 से 70 मरीजों का इलाज किया जाता है, जिसमे सर्दी,खांसी,बुखार तथा पेट दर्द के मरीज आते है। यहां ब्लड जांच आदि के संसाधन के अभाव में मरीजों के इलाज की मजबूरी है ।वही प्रसव कक्ष में ड्यूटी कर रही वर्षा सागर ने बताया कि सीएचसी सिरसिया बंद होने से पहले सीएचसी सिरसिया और भनवापुर में दो डिलेवरी प्वाइंट चल रहा था तो दो स्टाफ नर्स ड्युटी करती थी मगर सीएचसी सिरसिया में पानी भर जाने के कारण दो का काम अकेले करना पड़ता है जिससे परेशानी बढ़ी है ।इस संबंध में अधीक्षक डॉ शैलेन्द्र मणि ओझा ने कहा कि बाढ़ एक दैवीय आपदा है,सीएचसी सिरसिया में मे पानी भर जाने के कारण पूरा काम भनवापुर से संचालित कर कोविड टीकाकरण, बाढ़ प्रभावित गांवो में शिविर लगा कर कम संसाधानों में बेहतर स्वास्थ सुबिधा देने का प्रयास किया जा रहा है।

डेंगू रोगवाहक मच्छर एडीज एजिप्टी मच्छर टाइगर मच्छर के काटने से फैलता: सीएमओ

सीतापुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 मधु गैरोला ने बताया कि डेंगू रोग का रोगवाहक एडीज एजिप्टी मच्छर टाइगर गच्छर के काटने से फैलता है। यह दिन के समय सक्रिय रहकर बार.बार काटने का प्रयास करता है एवं एक बार में एक ही या कई.कई जनों को काटने की क्षमता रखता है। रोग के लक्षणों के विषय में बताते हुये उन्होंने कहा कि डेंगू रोग का रोगवाहक मच्छर काटने के बाद तेज बुखार, बदन दर्द, सरदर्द, बदन के जोड़ों एवं मांस पेशियों में दर्द, शरीर की त्वचा पर चकत्ते या लाल दाने उत्पन्न होते है। आँख, मुँह, नाक मल व मूत्र के स्थान से खून आना, आँखों के पीछे, आँखे घुमाने पर तेज दर्द होना, जी मितलाना, उल्टी दस्त होना तथा पेट में दर्द होना, रक्त की जांच कराने पर प्लेटलेट की संख्या का 01 लाख से कम हो जाना आदि इस रोग के लक्षण हैं। डायबिटीज, रीनल फेल्योर, श्वसन रोगी, किडनी रोगी तथा प्रतिरोधक क्षमता एम्यून कम्प्रेस्ड कम वाले व्यक्ति में यह रोग गंभीर हो सकता है एवं रोगी की मृत्यु भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि बचाव के लिये स्वास्थ्य विभाग द्वारा करायी जा रही फागिंग स्पेस स्प्रे के समय दरवाजे.खिड़कियां खुले रखें। घरों में संचयित पानी को साप्ताहिक अन्तराल पर बदलते रहे कूलर का पानी बदलने के बाद टंकी को स्क्रब से रगड़ साफ करें ताकि उस पर चिपके मच्छरों के अण्डे और लार्वा मर जायें सम्भव हो तो टंकी चार से पाँच दिनों तक धूप में सुखायें। घर के आस.पास गंदगी न फैलने दें और न ही पानी एकत्रित होने दें। शरीर को अधिकतम ढकने वाले वस्त्रों को पहने। मच्छर भगाने वाली औषधि एवं सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। नीम की पत्ती का धुआं करें एवं जहां पानी एकत्रित हो निकालने का प्रयास करें तथा डेंगू रोग होने की स्थिति में पूर्ण आराम करें एवं चिकित्सक की सलाह से पैरासीटामाल गोली वयस्क सीरप अवयस्क का सेवन कर बुखार को कम करें। डा0 गैरोला ने बताया कि डेंगू से बचाव के लिये घर के आस.पास एवं घर के अन्दर गंदगी या कूड़ा एकत्र न होने दें।

घर में बुखार के रोगी को बिना मच्छरदानी के न रहने दें न सोने दें। बुखार रोगी की देखभाल के लिए कमरे में खिड़की व दरवाजें बिना जाली के न रखें। नंगे बदन न रहें तथा बिना चिकित्सक के सलाह से कोई भी दवा का सेवन न करें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सलाह दी है कि शरीर पर मच्छर निरोधक औषधियों का आवश्यकतानुसार लेप लगायें। घर के आस पास पानी एकत्र होने वाले स्थानों को मिट्टी से भर देंए यदि यह संभव न हो तो कुछ बूंदे मिट्टी के तेल या डीजल ऐसे स्थानों पर डाल दें। जहां तक संभव हो पूरी आस्तीन की कमीज तथा मोजे आदि का प्रयोग करें ताकि मच्छर के काटने से बचा जा सके। डेंगू बुखार के रोगी होने पर स्वास्थ्य अधिकारी को सूचना दें ताकि प्रभावित क्षेत्र में कीटनाशक का छिड़काव कराया जा सके। घर में यदि कोई डेंगू बुखार का रोगी हैए तो उसे बिना मच्छरदानी के न रहने दें। अथवा ऐसे कमरे में रोगी की देखभाल करें जिसके दरवाजे, खिड़कियों पर जालियाँ लगी हों। डेंगू बुखार का कोई भी टीका नहीं होता है। इस रोग से पीडिघ्त व्यक्ति को बुखार की औषधि पैरासिटामाल दिया जाना चाहिए। एस्प्रीनए कार्टीसोन का प्रयोग कतई नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह सलाह भी दी है कि लक्षणों के प्रकट होने पर तुरन्त निकट के सरकारी अस्पताल जाकर जाँच एवं उपचार करायें।

महिला ने दलित बालिका को पीट पीटकर किया जख्मी

सिधौली (सीतापुर)। क्षेत्र के बाड़ी गांव में बीती रात खेत में बकरी घुसने से मना करने पर गांव की एक महिला द्वारा एक 12 वर्षीय नाबालिग दलित महिला को जमकर पीट दिया गया। जिससे सुबह पीडिघ्त की मां द्वारा दी गई सूचना पर घायल को गंभीर हालत में सीएचसी सिधौली में भर्ती करवाया गया। जहां से डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल गंभीर हालत में रेफ र किया है। पीडिघ्ता का मां गुड्डी ने बताया उसकी भिंडी व तोरई के खेत में गांव के ही नवी सेन की बकरियां घुस गई थी और चर रही थी। इसके लिए जब उसकी पुत्री रूबी 12 पुत्री सुरेश ने मना किया तो नवी सेन की बीबी ने उसकी पुत्री की जमकर पिटाई कर दी। घटना के समय रूबी की मां वह बहने और पिता घर पर नहीं थे। शाम को जब वह वापस आई तो उन्हें पूरी सारी मामले की जानकारी हुई। घायल रूबी की मां गुड्डी ने बताया कि रात को जब वह सिधौली कोतवाली आ रही थी। शिकायत करने के लिए तो विपक्षियों द्वारा उसे रोक लिया गया लेकिन रात में रूबी की तबीयत काफ ी बिगड़ गई। जिससे सुबह उसने सिधौली पुल 112 पुलिस को सूचना दी और घायल हालत में रूबी को सिधौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया जहां से उसे जिला अस्पताल रेफ र कर दिया। कोतवाली प्रभारी आलोक मणि ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्जकर लिया गया है।

कोरोना टीकाकरण में लगे सभी स्वास्थ कर्मियों को मुबारकबाद देते हैं– अमन मणि त्रिपाठी'

दैनिक बुद्ध का सन्देश

नौतनवां। ब्लाक क्षेत्र में युद्ध स्तर पर चलाये जा रहे कोविड टीकाकरण अभियान तथा नौतनवा इन्टरकालेज नौतनवा में रिकार्ड तीन हजार लोगों को कोविड टीकाकरण कराने पर नौतनवा बिध ायक मान0 'अमन मणि त्रिपाठी' व नौतनवा नगर पालिका अध्यक्ष 'गुड्डू खान' ने प्रसन्नता व्यक्त की है और इस जानलेवा वायरस से आम जिंदगी को टीकाकरण कर बचाने वाले जुझारू व कर्मठ चिकित्सक व कोरोना प्रभारी डॉ0 राजीव शर्मा को बधाई दिया हैं। नौतनवा विधायक' ने बताया कि "टीकाकरण अभियान की बागडौर जबसे सामुदायिक स्वास्थ केंद्र के प्रभारी चिक्तिसक डॉ0 राजीव शर्मा के हाथों में आया है तबसे इस अभियान को रफ्तार मिली हैं इसके लिए हम उनके साथ कोरोना टीकाकरण में लगे सभी स्वास्थ कर्मियों को मुबारकबाद देते हैं ऐसे कोरोना योद्धाओं को जिले स्तर पर पुरष्कृत भी कराया जाएगा। पालिका अध्यक्ष' ने बताया कि "पालिका प्रशासन आने वाले दिनों में सभी कोरोना योद्धाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित कर उनके मनोबल को बढाने का कार्य करेगा ताकि सभी स्वास्थ कर्मी पूरे मनोयोग से टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग दे। इस अवसर पर पालिका के सभी सभासद गण के अलावा बन्टी पाण्डेय,प्रमोद पाठक,धीरेन्द्र सागर,राजेश व्यायड, खुर्शेद आलम,विजय प्रताप श्रीवास्तव, समीउल्लाह अन्सारी,शनि श्रीवा0,बबलूलारी,उदय श्रीवा0, दुर्गा प्रसाद, आदि लोगो ने सभी कोरोना योद्धाओं को बध ाई दिया है।

ग्रामीणों को भयभीत कर रहा नदियों का घटता व बढ़ता जलस्तर

मेउढ़ी छोलहा से श्रीराम पुरवा जाने वाले डामर रोड को नदी ने कटान कर किया समाप्त

रेउसा (सीतापुर)। क्षेत्र में घाघरा और शारदा नदियों के घटते एवं बढ़ते जलस्तर से तटवर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों को नदियां भयभीत कर रही हैं। करीब डेढ़ दर्जन ग्रामीणों के घर घाघरा नदी के कटान पर अध कटे लटक रहे हैं। जुखाम बुखार खांसी से करीब दो दर्जन से अधिक बच्चे महिला एवं ग्रामीण पीडिघ्त चल रहे हैं। वहीं शारदा नदी की कटान से संपर्क मार्ग कट गया। तटबंध एवं किसानों के खेतों में कटान हो रहा है। वही बाढ़ का पानी तटवर्ती क्षेत्र के घरों व गांवों में भरा हुआ था वह पानी सीमिट गया खाली स्थानों पर पानी भरा हुआ है। गोलोक कोडर के दुर्गा पुरवा गांव के तीरथ रामनरेश राम लखन राजित राम देशराज ध ार्मपाल सोहन कमलेश अखिलेश बलदेव पैकरमा खेलावन ननकन ने ननकने राजकुमार दिनेश गिरिजा रामू प्रसाद सहित ग्रामीणों के घर अध कटे लटक रहे हैं। वहीं ग्रामीण अपने घरों को उजाड़ कर रामलाल पुरवा, आसाराम पुरवा, मोदीनगर, निर्मल पुरवा आदि गांवों एवं संपर्क मार्गों पर पलायन कर रहे हैं। वहीं दुर्गापुरवा गांव में डेढ़ दर्जन से अधिक बच्चे महिलाएं ग्रामीण जुखाम बुखार खांसी सहित बीमारियों से पीडिघ्त चल रहे हैं। मेउढ़ी छोलहा से श्रीराम पुरवा जाने वाले डामर रोड को करीब 10 मीटर शारदा नदी ने काटकर समाप्त कर दिया। गांव के ग्रामीणों का आवागमन नाव से हो रहा है। वहीं मेउढ़ी छोलहा से पासिन पुरवा जाने वाले कच्चे संपर्क मार्ग करीब 5 मीटर कट कर समाप्त हो गया। श्रीरामपुरवा गांव के पास तटबंध एवं ग्रामीणों के खेतों में शारदा नदी कटान कर रही है। श्रीराम पुरवा गांव को कटान से बचाने के लिए परियोजना द्वारा तटबंध निर्माण कार्य किया गया था लेकिन यह निर्माण कार्य असफल साबित हो रहा है। शारदा नदी श्रीराम पुरवा गांव से मात्र 10 मीटर की दूरी पर पानी का बहाव चल रहा है। गांव पर खतरे का संकट मंडरा रहा है। अगर इसी तरह से कटान होगा तो गांव को कटान से बचा पाना बड़ा मुश्किल होगा। तहसीलदार अविचल प्रताप सिंह से बात की गई उन्होंने बताया घाघरा एवं शारदा नदियों के जलस्तर में कमी आई है। जिसके चलते धीमी गति से कटान हो रहा है गांव में जो बाढ़ का पानी भरा था। वह खिसक गया है। रेउसा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित दुर्गापुरवा गांव में घाघरा नदी ग्रामीणों के घरों का कटान कर रही की जानकारी पाकर सपा पार्टी के पूर्व विधायक महेंद्र सिंह झीन बाबू ट्रैक्टर पर सवार होकर गांव पहुंचे। कटान पीडिघ्तों ग्रामीणों से मिलकर उनके सुख दुख का हाल.चाल लिया एवं उन्होंने कहां प्रशासन द्वारा जो मदद हो की जा रही है उसे जल्द से जल्द दिलाने का प्रयास करूंगा। उनके साथ में सीताराम यादव, दिलीप सिंह सहित ग्रामीण मौजूद रहे। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में बीमार लोगों का उपचार करने पहुंची टीमः रेउसा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव में जुखाम बुखार खांसी जैसी बीमारियों से पीड़ित ग्रामीणों की खबर छपने के बाद समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेउसा की टीम बगैर डॉक्टर के गांव पहुंची। शारदा नदी के तटवर्ती क्षेत्र मेउ?ी छोलहा जट पुरवा काशीपुर मल्लापुर बढ़ईन पुरवा सहित गांव में करीब 65 मरीजों को एक्सीडेंट टेक्नीशियन खून खून गौतम बीएचडब्ल्यू अविनाश मिश्रा वार्ड बॉय आकाश चंद्र पांडे द्वारा गांव जाकर के मरीजों को दवा वितरण किया गया। रेउसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य व्यवस्था का हाल जैसे.तैसे चल रहा है।

डेंगू की रोकथाम के लिये डीएम ने निरीक्षण कर चलाया जनजागरूकता अभियान

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी चंद्रविजय सिंह द्वारा डेंगू की रोकथाम व प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने हेतु प्रभावित क्षेत्रों में लगातार किए जा रहे निरीक्षण व जन जागरूकता अभियान के क्रम में सौ शैय्या अस्पताल व डेलीगेटेड आइसोलेशन वार्ड, ब्लड बैंक एवं रैहना नई आबादी, पुरानी आबादी, ऐलान नगर, आनंद नगर, गंगा नगर, बजरंग नगर आदि प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होने ब्लड स्टोरेज संबंधित सभी उपकरण एवं अभिलेखों की जांच की। निरीक्षण में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक व एचओडी पैथॉलोजी को निर्देश दिए कि वह पर्याप्त संख्या में एसटीपी युनिट का स्टोर कर रखें और डाक्टर्स की रिकमण्डेशन पर तत्काल ब्लड यूनिट उपलब्ध कराते रहें। उन्होने ब्लड के रख रखाव व स्टोर एवं वहां की व्यवस्थाओं को देखा और सुव्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होने लैब टैक्निशियन की डयूटी मुस्तैदी के साथ लगाऐं रखन के निर्देश दिए। उन्होने मौके पर पाया कि जिला अस्पताल में ब्लड बैंक को अत्याधुनिक उपकरणों द्वारा संचालित किया जा रहा है। एचओडी द्वारा बताया गया कि ब्लड बैंक में पर्याप्त मात्रा में ब्लड कंपोनेंट्स हैं, जिलाधिकारी ने उन्हे निर्देशित किया कि ब्लड के अभाव में कोई घटना न होने पाए इसके लिए ब्लड कैम्पों का भी आयोजन शहर में हो रहा है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज प्राचार्या डा0 संगीता अनेजा, सीएमएस व बाल रोग विशेषज्ञ डा0 एल के गुप्ता से पूछा कि इतनी कडी मॉनिटरिंग के बाद भी मृत्यु कैसे हो रही है, जिस पर उन्होने बताया कि कल हुई छः मृत्यु में से चार डेंगू से ओर दो अस्थमा से ग्रसित मृत्यु है, उन्होने डेंगू से हुई उन चारों की मृत्यु की ट्रीटमेंट फाइल निकलवाकर उनकी पूरी कैस स्टडी को जाना और डा0 को निर्देश दिए की किसी भी स्थिति में बच्चों की मृत्यु नही होने पाए। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने रैहना नई आबादी, पुरानी आबादी, ऐलान नगर, आनंद नगर, गंगा नगर, बजरंग नगर आदि प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने डेंगू, मलेरिया व वायरल बुखार के प्रति लोंगों को जागरूक करने के निर्देश क्षेत्र में लगायी गयी नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, आशा व एनएनएम को दिए। इस दौरान उन्होने वहां लगें चिकित्सा कैम्पों का भी निरीक्षण किया और उनके द्वारा दी जा रही दवाईयों व उपचार के बारे में भी जाना एवं डेंगू,मलेरिया व वायरल बुखार पर नियंत्रण इत्यादि पर विस्तृत से निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में पानी की निकासी, नालियों की साफ–सफाई, मच्छर मारने के लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, फागिग करने के साथ ही व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होने सभी ग्राम पंचायतों में भी डेंगू, मलेरिया व वायरल बुखार की रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक करने को कहा। उन्होने बताया कि डेंगू मच्छर का लार्वा अपने आस–पास न पनपने दें। उन्होने निर्देश दिए कि लोगों को कूलर, गमलों, वाहन के टूटे टायरों अथवा अन्य टूटे बर्तन, प्लास्टिक सामग्री में रूके पानी इत्यादि को हटाने के लिए जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दें।

पोलियो की तर्ज पर कोविड संवेदीकरण व संचारी रोग नियंत्रण विशेष अभियान सात से 16 तक

गोरखपुर। कोविड–19 की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुये शासन ने तैयारी तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी विजय किरन आनंद की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में बैठक कर जिले में पोलियो की तर्ज पर कोविड संवेदीकरण व संचारी रोग नियंत्रण विशेष अभियान सात सितंबर से शुरू होगा। यह विशेष अभियान 16 सितंबर तक ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में चलेगा। अभियान के सफल संचालन के लिए प्रशासन ने पूरी तरह से कमर कस ली है। जिलाधि ाकारी विजय किरन आनंद ने सीएमओ डॉ सुधाकर पांडेय एसीएमओ सहित अन्य डाक्टरों व पुलिस अधीक्षक अपराध डॉ महेंद्र पाल सिंह सहित अन्य के साथ बैठक करते हुए कहा कि मौसम परिवर्तन व मच्छर जनित बीमारियों से बढ़ने से यह अभियान जनपद के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के प्रत्येक गांव व वार्डों में चलाया जाएगा। यह अभियान पोलियो अभियान की तर्ज पर चलेगा जिसमें में आशा–आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की टीम तैयार की गयी है। यह टीमें घर–घर जाकर कोविड लक्षणयुक्त व्यक्तियों के साथ ही बुखार टीबी डेंगू, मलेरिया चिकनगुनिया आदि बीमारियों के लक्षणयुक्त व्यक्तियों को खोजने व चिन्हीकरण कर सूची बनाने का कार्य करेंगी। इस अभियान के लिए स्वयं सेवी संस्थाओं शिक्षा विभाग पंचायती राज विभाग ग्राम्य विकास आईसीडीएस विभाग नगर निकाय वन विभाग कृषि विभाग राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) राष्ट्रीय सेवा योजना(एनएसएस) एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डबल्यूएचओ) यूनिसेफ का भी सहयोग लिया जाये। नियमित टीकाकरण (आरआई) से छूटे दो वर्ष तक के बच्चों एवं 45 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों जिनका अभी तक कोविड टीकाकरण नहीं हुआ है, उनकी सूची बनाई जाए। बैठक में समस्त प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को दिशा—निर्देश दिये गए। जिला सर्विलान्स अधिकारी ने बताया कि पहला बुखार ग्रसित व्यक्ति का चिन्हीकरण दूसरा कोविड डेंगू मलेरिया चिकनगुनिया लक्षणयुक्त व्यक्ति का चिन्हीकरण तीसरा क्षयरोग लक्षणयुक्त व्यक्तियों का चिन्हीकरण चौथा नियमित टीकाकरण में कोई भी टीका से छूटे दो वर्ष तक के बच्चों का चिन्हीकरण एवं पांचवां कोविड टीकाकरण की किसी भी डोज से छूटे 45 वर्ष से अधिक व्यक्तियों की पहचान करना व सूची बनाना। आशा–आंगनबाड़ी कार्यकर्ता इन सभी प्रकार की सूचियों को प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर उपलब्ध कराएंगी। इसके बाद सभी व्यक्तियों की जांच की जाएगी। किसी भी बीमारी से ग्रसित पाये जाने पर तत्काल प्रभाव से उपचार किया जाएगा। विशेष रूप से जोर देते हुए जन सामान्य से अपील की गई कि लोग पूरी बांह वाली कमीज पैंट व मोजे पहनें नियमित रूप से मच्छरदानी लगाकर सोएं शौच के लिए हमेशा शौचालय का प्रयोग करें खाने से पहले व शौच के बाद हाथ साबुन से जरूर धोएं पीने एवं खाना बनाने के लिए हमेशा इंडिया मार्क 2 हैंडपंप के पानी का ही प्रयोग करें। घरों के आसपास के गड्ढों को मिट्टी से भर दें इसमें जमा पानी में मच्छर पनपते हैं। चूहे छछूंदरों कॉकरोच इत्यादि पर नियंत्रण के उपाय अपनाएं इनसे अनेक रोग फैलते हैं। घर के भीतर एवं आसपास पानी न जमा होने दें जैसे टायर और खुले में रखे कोई भी बर्तन गमलों के नीचे रखी ट्रे फ्रिज के नीचे लगी ट्रे आदि। कूलर, पशु–पक्षियों को पनि पिलाने के बर्तन व खुला जल भंडारण टैंक के पानी को नियमित रूप से बदलते रहें।

किशोरी के इलाज के लिए मदद का लगा तांतां

जौनपुर । नगर के लाइनबाजार थाना अंतर्गत एक किशोरी खुशी जायसवाल दुर्भाग्यवश एक मोटरसाइकिल की चपेट में आकर बुरी तरह से घायल हो गई और उसका बांया पैर कई जगह से टूट गया है और उसके पेट की आतें भी फट गई थी । परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत ज्यादा खराब होने के कारण उसके माता पिता इलाज हेतु दर–दर भटक रहे थे। किसी प्रकार से शहर के एक निजी अस्पताल में परिवार वाले बच्ची का इलाज शुरू करवाने लगे कि आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से इलाज करवाने में बहुत मुश्किल का सामना करना पड़ रहा था । इस बात की खबर युवा समाजसेवी राजेश को लगी तो उन्होंने अस्पताल पहुंच कर आर्थिक सहायता दिया, साथ ही उस बच्ची का वीडियो बनाकर शहर के लोगों से उस घायल बच्ची के इलाज हेतु अपील किया। जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर चारों तरफ फैला कई संस्था, अध्यक्षों व अन्य लोगों ने खुद ही राजेश को फोन करके बुला कर उक्त घायल बच्ची के उपचार हेतु आर्थिक मदद किया जिसे किशोरी के माता पिता को दे दिया गया, धीरे धीरे मदद करने वाले लोगों का तांता लग गया। मदद करने वाले सर्वेश जयसवाल , जय किशन साहू, दिलीप सिंह, प्रदीप सिंह शिवा सिंह, उद्योगपति ज्ञान प्रकाश सिंह, प्रदीप सिंह, रिंकू सिंह अजीत सोनकर शशांक सिंह रानू और बैंक कर्मी चंदन कुमार शामिल रहे।

श्रीराम कथा में कथावाचिका ने कंस वध का सुनाया प्रसंग

सकरन (सीतापुर)। दनियारपुर गांव में हो रही श्री राम कथा में दिन कथावाचिका रुची सिंह यादव ने कंस वध के प्रसंग का वर्णन सुंदर ढंग से किया। जिसको सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो उठे। जयकारे की गूंज पूरे पंडाल में गूंजती सुनाई दी। कथावाचिका रुची सिंह यादव ने कंस वध की कथा सुनाते हुए कहा कि कंस ने मथुरा में आतंक मचा रखा था। भगवान कृष्ण ने उसका वध कर आतंक से मुक्ति दिलाई। दुष्ट कंस के बुलाने पर श्रीकृष्ण अपने बड़े भाई दाऊजी के साथ मथुरा पहुंचे। जहां उनके दर्शन के लिए लोग उमड़ पड़े। मल्ल युद्ध के बाद श्रीकृष्ण ने कंस का वध किया। भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो उठा। कथावाचिका ने ऊधो.गोपी संवाद का भी मार्मिक ढंग से वर्णन किया। कहा कि कृष्ण के कहने पर ऊधो गोकुल पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि गोपियां श्रीकृष्ण के विरह में डूबी हैं। ऊधो ने गोपियों को समझाया कि श्रीकृष्ण तो निर्गुणए निराकार और सर्वव्यापक हैं। फिर वे उनके विरह में पागल क्यों हो रही हैं। यह सुन गोपियां ऊधो पर बरस पड़ती हैं और कहती हैं कि अपने ज्ञान को अपने पास रखें।।

चेयरमैन की आधिकारिक यात्रा सम्पन्न

जौनपुर। महिला सेवा संगठन इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती अर्चना वाजपेई आधिकारिक यात्रा सम्पन्न हुई। अर्चना वाजपेई ने क्लब मेंमर के साथ मीटिंग आरम्भ किया। डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन ने अध्यक्ष दीपमाला जायसवाल, सचिव सरोज सिंह, कोषाध्यक्ष ममता मिश्रा, आई.एस.ओ. डा. रंजीता सिंह एवं एडीटर प्रियंका पाण्डेय से मुलाकात किया। अध्यक्ष ने डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन का स्वागत किया। अध्यक्ष ने क्लब की गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

बताया कि क्लब द्वारा महिलाओं के लिए सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन लगवाया, जिसका का उद्घाटन डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन के द्वारा नगर के अम्मा हास्पिटल में लगाया गया है। जिससे महिला वर्ग लाभान्वित हो सके। संचालन सुनीता सिंह ने किया। डा. अजय पाण्डेय, सरोज सिंह, डा. रंजीता सिंह, ममता मिश्रा, मृदूला सिंह, प्रियंका पाण्डेय, पूनम मिश्रा महिला सदस्यों आदि उपस्थित रहे।

सोनौली के दो युवक दुकादारो से रंगदारी मांगने के चक्कर मे गिरफ्तार, जेल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनौली/नौतनवां। सोनौली कस्बे में स्थित श्री राम जानकी मंदिर परिसर की दुकान में जबरिया घुसकर क्षतिपहुंचाना और किरायेदारों को धमका कर अवैध वसूली करने के आरोप में सोनौली के व्यापारी विनय वर्मा की तहरीर पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अनुराग मणि पुत्र सुरेश मणि त्रिपाठी तथा आनंद मणि त्रिपाठी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक विनय वर्मा पुत्र गणेश वर्मा वार्ड नंबर 11 बाल्मीकि नगर नगर पंचायत सोनौली निवासी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि प्रार्थी के पिता श्री राम जानकी मंदिर में दुकान ले रखे है। शुक्रवार को उक्त दुकान में मैं बैठा था, इसी बीच करीब 2:15 बजे अनुराग मणि तथा आनंद मणि दुकान पर आए और जबरदस्ती रंगदारी मांगने लगे विरोध करने पर दुकान में रखा सामान सड़क पर फेंक दिया और और जमकर हंगामा मचाया। विनय की प्रार्थना पत्र पर सोनौली पुलिस ने धारा 387, 427, 452, 504, 506, 7 सीएलए 1932 के तहत मुकदमा दर्ज कर अनुराग मणि तथा आनंद मणि को गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक सोनौली शशांक शेखर राय ने बताया कि हंगामा मचाने वाले दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर गंभीर धाराओं में चालान कर दिया गया है।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
आर.एन.आई. नं०– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

बच्चों की सेहत को बहुत नुकसान पहुंचा सकते हैं ये पेय पदार्थ, न करवाएं सेवन

बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर तरीके से करने में खान–पान एक अहम भूमिका अदा करता है। इसलिए बच्चे को कुछ ऐसा खिलाने या पिलाने से बचें, जिससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। बता दें कि आजकल मार्केट में ऐसे कई पेय पदार्थ मौजूद है, जिनका सेवन बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। आइए ऐसे ही कुछ पेय पदार्थों के बारे में जानते हैं, जिनका सेवन बच्चों को न करवाना ही बेहतर है। कार्बोनेटेड पेय पदार्थ : कोका–कोला, डाइट कोला, फ्लेवर्ड सोडा और इसी तरह की कार्बोनेटेड पेय पदार्थ का सेवन बच्चों की सेहत को प्रभावित कर सकता है। इससे बच्चे डिहाइड्रेशन और पेट से जुड़ी समस्याओं का शिकार हो सकते हैं। इसके अलावा, ये बच्चों के मानसिक विकास पर भी विपरीत असर डाल सकते हैं। दरअसल, इन पेय पदार्थों में शक्कर की मात्रा भी बहुत ज्यादा होती है, जिसके कारण बच्चों को मोटापे और मधुमेह जैसी बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है।

कैफीन युक्त पेय पदार्थः बच्चों को चाय और कॉफी जैसे कैफीन युक्त पेय पदार्थ भी पीने के लिए नहीं देने चाहिए। दरअसल, इनमें टैनिन की मात्रा अधिक होती है, जिसका बच्चों की हार्ट रेट पर विपरीत असर पड़ता है। वहीं, इसके कारण बच्चों को रोजाना किसी न किसी पेट से जुड़ी समस्या या फिर अनिद्रा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए अगर आप अपने बच्चे को चाय या कॉफी का सेवन करवाते हैं तो आज से ही ऐसा करना बंद कर दें।

पैकेज्ड फलों का रसः यह बात तो सभी जानते हैं कि फलों के रस का सेवन सेहत के लिए अच्छा होता है, लेकिन अगर आप अपने बच्चे को बाजार से लाए पैकेज्ड जूस का सेवन करते हैं तो आज से ऐसा करना छोड़ दें। दरअसल, इन जूस में शक्कर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जिसका बच्चों की सेहत पर उल्टा असर पड़ता है। इसलिए अगर आपको अपने बच्चे को जूस पिलाना ही है तो घर में ही जूस बनाकर उसे पिलाएं।

पैकेज्ड स्मूदी या फिर शेकः पैकेज्ड फलों के रस की तरह ही पैकेज्ड स्मूदी और शेक का सेवन बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। दरअसल, अक्सर यह देखने में आया है कि स्मूदी और शेक बनाने के दौरान लोग स्वाद बढ़ाने के चक्कर में इसमें आर्टिफिशियल फ्रूट जूस का इस्तेमाल देते हैं। हालांकि, इससे स्मूदी स्वादिष्ट भले ही हो जाए, लेकिन इसमें शुगर कंटेंट काफी बढ़ जाता है और अतिरिक्त शुगर बच्चे को मोटापे का शिकार बनाने के लिए काफी है।

शनाया कपूर ने विज्ञापन से किया ऑन स्क्रीन डेब्यू

संजय कपूर बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता हैं। उन्होंने कई यादगार फिल्मों में अभिनय किया है। काफी समय से संजय की

बेटी शनाया कपूर बॉलीवुड में डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं। वह करण जौहर की फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। अब फिल्मों में डेब्यू करने से पहले ही शनाया ने एक विज्ञापन के जरिए अपना ऑन स्क्रीन डेब्यू कर लिया है। सोशल मीडिया पर इस विज्ञापन का वीडियो से तेजी से वायरल हो रहा है। फिल्म निर्माता करण ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर शनाया के विज्ञापन का वीडियो शेयर किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ओह माय गॉड, शनाया तुम्हारे बाल बहुत सुंदर दिख रहे हैं। इस वीडियो में वह नूल्डस खाती हुई नजर आ रही हैं। इसमें दिखाया गया है कि नूल्डस खाने से शनाया का मुंह और बाल खराब हो रहे हैं। यह एक हेयर स्ट्रेटनर का विज्ञापन है, जिसमें शनाया नजर आई हैं। इस विज्ञापन में शनाया का अंदाज दर्शकों को पसंद आ रहा है। शनाया के पिता संजय ने भी विज्ञापन को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, यह शूट असल में काफी मजेदार लगता है। जिस तरह से आपने कटोरे में भरे पास्ता को खाया, उससे प्यार आ रहा है। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने अपनी पत्नी और शनाया की मां महीप कपूर को भी टैग किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शनाया के स्टूडेंट ऑफ द ईयर से बॉलीवुड में आगाज करने के आसार थे, लेकिन वह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म से अभिनय की दुनिया में पदार्पण करने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह पीरजादा भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म को करण और शशांक खैतान प्रोड्यूस करेंगे। इस फिल्म को 2022 में रिलीज करने की योजना है। जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। फिल्मों में डेब्यू करने से पहले शनाया जाह्नवी कपूर की फिल्म गुंजन सक्सेनारू द कारगिल गर्ल की सहायक निर्देशक की भूमिका में काम कर चुकी हैं। इससे पहले महीप की नेटफ्लिक्स सीरीज फेबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स में शनाया का स्पेशल अपीयरेंस देखा गया था। शनाया के पिता संजय ने कहा था कि उनकी बेटी शनाया बॉलीवुड फिल्मों में डेब्यू करने के लिए बिल्कुल तैयार है, केवल उन्हें एक अच्छे प्रोजेक्ट की तलाश है।

अक्षय कुमार की फिल्म ओह माय गॉड 2 की शूटिंग शुरू, पंकज त्रिपाठी भी मचाएंगे धमाल

काफी टाइम से फिल्मश्ओह माय गॉड्य अपने सीक्वल को लेकर काफी चर्चा बनी हुई है. जिसमें अक्षय कुमार एक बार फिर से भगवान कृष्ण के रोल में नजर आएंगे तो वहीं इस बार परेश रावल को रिप्लेस कर एक्टर पंकज त्रिपाठी लीड रोल में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है रिपोर्ट्स की मानें तो इस धमाकेदार सोशल ड्रामा फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है.

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की कास्ट से सबसे पहले पंकज त्रिपाठी के साथ सीक्वेंस शूट शुरू किया गया है.कुछ दिन सिर्फ पंकज इस फिल्म के सोलो सींस की शूटिंग करने वाले हैं और कुछ समय बाद फिल्म के फीमेल लीड एक्ट्रेस यामी गौतम धर उन्हें जून करेंगी.

फिल्म में भगवान बने एक्टर अक्षय कुमार इस फिल्म के लिए अक्टूबर में शूटिंग शुरू कर देंगे. बताया गया कि अक्षय ने श्ओह माय गॉड 2च में भगवान कृष्ण के अपने किरदार के लिए 15–20 दिन अलॉट किए हैं. अक्षय कुमार पंकज त्रिपाठी के साथ दूसरी बार काम करने जा रहे हैं. इससे पहले पंकज त्रिपाठी, हाल ही में अक्षय कुमार के साथ बच्चन पांडे में काम कर चुके हैं. ओह माय गॉड, अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी की साथ में दूसरी फिल्म होगी.

पहले फिल्म के सीक्वल की शूटिंग मई–जून 2021 में होने वाली थी. लेकिन कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए इसकी शूटिंग को आगे बढ़ा दिया गया है.इस बार फिल्म के डायरेक्टर भी बदल गए हैं। श्ओह माय गॉड्य को उमेश शुक्ला ने डायरेक्ट किया था जबकि श्ओह माय गॉड 2च को अमित राय ने डायरेक्ट कर रहे हैं.

2012 में आई फिल्म ओह माय गॉड में भरपूर कंट्रोवर्सी हुई थी.फिल्म में धर्म को लेकर कई डायलॉग्स पर विवाद उठा जिसके बाद अक्षय कुमार और परेश रावल के खिलाफ केस हुआ. इतना ही नहीं अक्षय कुमार को पुलिस प्रोटेक्शन तक देनी पड़ गई थी.

ओह माय गॉड एक गुजराती नाटक पर आधारित है. जिसका नाम था कांजी विरूद्ध कांजी (कांजी ड्कह्य कांजी) इसके अलावा, फिल्म एक अंग्रेजी फिल्म से भी प्रेरित थी.फिल्म श्ओह माय गॉड्य ने बॉक्स ऑफिस पर पर अच्छी कमाई की थी जबकि इसकी ओपनिंग काफी धीरे हुई थी. आपको बता दें कि इंडस्ट्री में इन दिनों अक्षय की सबसे ज्यादा डिमांड है. इस वक्त अक्षय करीब 6फिल्मों पर काम कर रहे हैं. जो 2021–22 में रिलीज होगी. इनमें से कुछ फिल्में तो रिलीज के लिए भी तैयार है.वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी अपकमिंग फिल्म सूर्यवंशी, अतरंगी रे, पृथ्वीराज, बच्चन पांडे, रक्षाबंधन और रामसेतु है.

नीरज कोठारी की फिल्म ब्लैकआउट में दिखेंगे विक्रांत मैसी और नोरा फतेही

विक्रांत मैसी ने बॉलीवुड में तेजी से अपनी पहचान बनाई है। विक्रांत को हाल में आई फिल्म हसीन दिलरुबा के लिए काफी सराहना मिली है। यह फिल्म 2 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। वहीं, नोरा फतेही हाल में रिलीज हुई फिल्म भुजरू द प्राइड ऑफ इंडिया में दिखी हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि विक्रांत और नोरा नीरज कोठारी की फिल्म ब्लैकआउट में दिखने वाले हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विक्रांत और नोरा फिल्ममेकर नीरज की आगामी फिल्म ब्लैकआउट में नजर आएंगे। खबरों की मानें तो अभिनेता विक्रांत ने फिल्म ब्लैकआउट साइन कर ली है। बताया जा रहा है कि फिल्म में विक्रांत के अपोजिट भूमिका निभाने के लिए नोरा को कास्ट किया गया है। इस फिल्म के लीड कलाकार विक्रांत और नोरा ने इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी प्रतिबद्धता जतायी है। रिपोर्ट की मानें तो अपने मौजूदा असाइनमेंट को पूरा करने के बाद अक्टूबर या नवंबर के आसपास विक्रांत और नोरा इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करेंगे। विक्रांत अभी सुपरहिट मलयालम फिल्म फॉरेंसिक की हिन्दी रीमेक की शूटिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में राधिका आप्टे, प्राची देसाई और रोहित रॉय नजर आएंगे। नोरा जल्द ही लव रंजन की कॉमिक थ्रिलर फिल्म उफ्फ की शूटिंग शुरू करेंगी। यह एक साइलेंट फिल्म है, जिसका निर्देशन जी अशोक करेंगे। यह फिल्म सीधे ह्ज्जज्ज प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन देवांग भावसार द्वारा किया जा रहा है। इस फिल्म से वह निर्देशन की दुनिया में कदम रखने वाले हैं। इसस पहले उन्होंने प्रिंस (2010), क्या सुपर कूल है हम (2012), किस्सा (2013) और चॉपस्टिक्स (2019) जैसी फिल्मों में सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया है। नीरज और सरिता ए तंवर जिन्होंने ब्रोकन बट ब्यूटीफुल का निर्माण किया है, वे इस फिल्म का निर्माण करेंगे। विक्रांत के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आने वाले दिनों में कई फिल्मों में अपने अभिनय का जौहर दिखाएंगे। वह शंकर रमन की फिल्म लव हॉस्टल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इसके अलावा वह संतोष सिवान की फिल्म मुंबईकर में भी दिखने वाले हैं। वह फिल्म 14 फेरे को लेकर भी सुर्खियों में हैं। देवांशु सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म हाल ही में रिलीज हुई है। इसमें वह कृति खरबंदा के साथ रोमांस करते दिखे हैं।

सोफा कुशन को आसानी से साफ करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

गंदे सोफा कुशन्स न सिर्फ घर की खूबसूरती को खराब कर सकते हैं बल्कि इनसे बीमारी फैलने का भी डर रहता है। दरअसल, अगर सोफा कुशन्स गंदे हो जाते हैं तो इनमें कई तरह के कीटाणु पनप जाते हैं जो बहुत जल्दी आपके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसलिए समय–समय पर इनकी सफाई करना जरूरी है। आइए आज आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिनकी मदद से सोफा कुशन्स को आसानी से साफ किया जा सकता है।

वैक्यूम क्लीनर का करें इस्तेमालः वैक्यूम क्लीनर की मदद से आप अपने सोफा कुशन्स को धूल–मिट्टी से छुटकारा दिला सकते हैं। अच्छी बात तो यह है कि वैक्यूम क्लीनर से कुशन्स को किसी तरह का नुकसान भी नहीं पहुंचेगा। अगर आपके पास वैक्यूम क्लीनर नहीं है तो सोफा कुशन्स की धूल–मिट्टी साफ करने के लिए सॉफ्ट ब्रश या फिर लिंट रोलर यानि कपड़ों से रूआं साफ करने वाले रोलर का इस्तेमाल करना अच्छा विकल्प हो सकता है। ये आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएगें।

बेकिंग सोडा भी आएगा कामः अगर किसी कारणवश आपके सोफा कुशन पर तैलीय दाग लग गया है तो आप इसे साफ करने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए बेकिंग सोडा को अच्छी–खासी मात्रा में दाग के ऊपर छिड़कें और इसे आधे घंटे के लिए दाग पर ही लगे रहने दें। दरअसल, बेकिंग सोडा तैलीय दाग को सोफा कुशन के ऊपर मजबूती से सेट होने से रोकता है, जिसके बाद सोफा कुशन को साफ करने में कोई परेशानी नहीं होती है।

क्लीनिंग सॉल्यूशन का छिड़काव करेंः अगर आप चाहते हैं कि आपके सोफे के कुशन्स साफ होने के साथ–साथ कीटाणुमुक्त भी रहे तो इसके लिए खुद एक क्लीनिंग सॉल्यूशन तैयार करें। सबसे पहले एक कटोरी में तीन बड़ी चम्मच एल्कोहल युक्त सैनेटाइजर, एक चम्मच सफेद सिरका और अपने पसंदीदा एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालें और जब आपको लगे कि आपके सोफे के कुशन्स गंदे हैं तो उस पर इसका छिड़काव करके इसे माइक्रोफाइबर कपड़े से रगड़ें।

ड्राई क्लीनिंग भी है एक अच्छा विकल्पः अगर आपको लगता है कि आप घर पर सोफे के कुशन्स की सफाई अच्छे से नहीं कर सकते हैं तो इसे घर पर साफ न करें और ड्राई क्लीनिंग के लिए भेज दें। ड्राई क्लीनिंग से गंदगी और दाग हटने के साथ–साथ कुशन्स को ज्यादा नुकसान भी नहीं होता है। हालांकि, यह एक महंगा विकल्प हो सकता है, इसलिए आप इस विकल्प को चुनने की बजाय अन्य विकल्पों का सहारा भी ले सकते हैं।